लखनऊ

बुधवार, 25 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 211

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"हर सुबह नई उम्मीद लेकर आती है, बस आपको उसे पकड़ने की हिम्मत और आगे बढ़ने का इरादा रखना है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

गोवा में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के मामले में भाजपा पार्षद का बेटा गिरफ्तार

पणजी। दक्षिण गोवा पुलिस ने सोमवार तड़के 25 से 30 नाबालिग लड़कियों से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल को लेकर 20 वर्षीय युवक सोहम सुशांत नाइक को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा के कुर्चोरेम नगर पालिका पार्षद के बेटे नाइक को उस समय हिरासत में लिया गया, जब स्थानीय लोगों की भीड़ ने पुलिस स्टेशन के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी युवक पर आरोप है कि उसने कई नाबालिग लड़कियों के साथ यौन संबंध बनाए। इन घटनाओं को रिकॉर्ड किया और बाद में उन वीडियो का इस्तेमाल पीड़ितों को धमकाने और चुप रहने के लिए किया। यह मामला पिछले सप्ताह तब उजागर हुआ, जब आरोपी सोहम नाइक ने कथित तौर पर एक सामाजिक सभा में अपने कृत्यों की डींग भरी और पीड़ितों के आपत्तिजनक वीडियो अपने साथियों को दिखाए। जैसे-जैसे दक्षिण गोवा में यौन शोषण वीडियो की अफवाहें फैलने लगीं, स्थानीय तनाव चरम पर पहुँच गया। हालांकि इससे पहले, यह मामला कुछ दिनों से इलाके में चर्चा में था। रविवार रात स्थानीय नागरिक कुडचेड पुलिस स्टेशन के पास एकत्र हुए और कार्रवाई की मांग की क्योंकि मामला एक स्थानीय भाजपा पार्षद के बेटे से जुड़ा हुआ था। अंततः पुलिस ने पार्षद के बेटे सोहम नाइक को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई तब हुई जब आरोपी ने पिछले सप्ताह एक शराब पार्टी में अपने दोस्तों को कुछ वीडियो दिखाए। इससे बीते वर्षों में नाबालिगों के कथित यौन शोषण का मामला सामने आया। रविवार को कुर्चोरेम के निवासियों ने पुलिस स्टेशन तक मार्च किया और नाबालिगों से जुड़े कथित सेक्स रैकेट वीडियो की निष्पक्ष जांच की मांग की।

भारतीय रेलवे ने बदले टिकट कैंसिलेशन के नियम, अब समय के हिसाब से तय होगा रिफंड

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कन्फर्म टिकट कैंसिल करने के नियमों में बदलाव किया है ताकि दलालों द्वारा टिकटों की कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके। नए नियमों के तहत यात्रियों को कुछ मामलों में ज्यादा सुविधा भी दी गई है, खासकर आखिरी समय में बोर्डिंग स्टेशन बदलने को लेकर। संशोधित नियमों के अनुसार, टिकट कैंसिल करने पर मिलने वाला रिफंड अब ट्रेन के चलने से पहले बचे समय के आधार पर तय होगा। साथ ही, यात्रियों को बोर्डिंग स्टेशन बदलने की सुविधा भी दी गई है, जिससे उन्हें अधिक लचीलापन मिलेगा। ये नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 के बीच चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाएंगे। नियमों के तहत अगर कोई यात्री ट्रेन के चलने से 72 घंटे पहले टिकट कैंसिल करता है, तो उसे अधिकतम रिफंड मिलेगा और सिर्फ एक तय कैंसिलेशन चार्ज ही काटा जाएगा। अगर टिकट 72 घंटे से 24 घंटे के बीच कैंसिल किया जाता है, तो किराए का 25 प्रतिशत काटा जाएगा (न्यूनतम चार्ज के साथ)। अगर टिकट 24 घंटे से आठ घंटे पहले कैंसिल किया जाता है, तो 50 प्रतिशत किराया काटा जाएगा। वहीं, अगर ट्रेन के चलने से 8 घंटे से कम समय पहले टिकट कैंसिल किया जाता है, तो कोई रिफंड नहीं मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कुछ दलाल पहले ज्यादा टिकट बुक कर लेते थे और जो टिकट नहीं बिकते थे, उन्हें ट्रेन के समय से पहले कैंसिल कर देते थे।

परिसीमन आयोग, महिला आरक्षण...सरकार लाएगी संशोधन बिल, अमित शाह ने संभाला मोर्चा, विपक्ष से चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 2011 की जनगणना के आधार पर ही लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की संख्या बढ़ाने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया में तेजी ला दी है। सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार इस सप्ताह के अंत तक यानि शनिवार या रविवार को परिसीमन आयोग विधेयक और संवैधानिक संशोधन पेश करने की योजना बना रही है। इस सिलसिले में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रस्तावित विधेयक पर व्यापक सहमति बनाने के लिए कांग्रेस के अलावा कई विपक्षी दलों के नेताओं से बातचीत की।

गृहमंत्री के साथ विपक्ष की बैठक में उपस्थित नेताओं में एनसीपी की सुप्रिया सुले, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, बीजद के सस्मित पात्रा और वाईएसआर कांग्रेस के मिथुन रेड्डी के अलावा समाजवादी पार्टी से भी नेता शामिल थे। बैठक के बाद विपक्ष से वाईआरसीपी ने बिल को लेकर अपनी सकारात्मक रुख दिखाया।

सोमवार को ही शाम में गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में एनडीए के सहयोगी दलों के दोनों सदनों के नेताओं की एक अहम बैठक हुई, जिसमें महिला आरक्षण को लागू करने को लेकर भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई। एनडीए की सहयोगी टीडीपी समेत कई दक्षिणी राज्यों ने पहले नई जनगणना के आधार पर परिसीमन के तहत संभावित रूप से सीटों के नुकसान को लेकर चिंता जताई थी।

टीडीपी नेता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पहले आशंका व्यक्त की थी कि अधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण उत्तरी राज्यों को अधिक सीटें मिल सकती हैं, जिससे जनसंख्या नियंत्रण में सफल रहे दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है। लेकिन परिसीमन प्रक्रिया को जनसंख्या से अलग करने वाले मौजूदा फॉर्मूलेशन के साथ, टीडीपी ने इस कदम का समर्थन किया है। मिली जानकारी के मुताबिक सीटों में आनुपातिक वृद्धि होने से टीडीपी खुश है। सूत्रों के मुताबिक मुताबिक 2011 की जनगणना को आधार मानकर ही परिसीमन आनुपातिक आधार पर करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही लोकसभा और विधानसभाओं में सीटों की संख्या में 50% की वृद्धि की जा सकती है, जिससे लोकसभा में राज्यों का मौजूदा हिस्सेदारी समानुपातिक रूप से बरकरार रहेगा।

महिला आरक्षण अधिनियम में संवैधानिक संशोधन

इसके अलावा केंद्र सरकार 2023 में पारित महिला आरक्षण अधिनियम में संवैधानिक संशोधन करने के लिए एक विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। पहले के कानून के हिसाब से महिलाओं के लिए आरक्षण परिसीमन नई जनगणना पर निर्भर था। अब नए प्रस्तावित संशोधन में 2011 को आधार वर्ष मानकर की जनगणना में भविष्य में स्थानांतरित किया जा सकता है।

महिलाओं के लिए आरक्षण लागू

मिली जानकारी के मुताबिक नए संशोधन में लोकसभा और विधानसभाओं की संशोधित संख्या के आधार पर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया जाएगा। जिसमें 33% सीटें आरक्षित होंगी। इसके अनुसार लगभग 816 लोकसभा सीटों में से लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इस प्रकार, बढ़ी हुई सीटें प्रभावी रूप से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों के बराबर होंगी।

लोकसभा में अनुसूचित जाति की सीटें बढ़ेंगी

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के लिए आरक्षण में भी 50% की वृद्धि होगी, जिससे लोकसभा में अनुसूचित जाति की सीटें 84 से बढ़कर 126 हो जाएंगी और अनुसूचित जनजाति की सीटें 47 से बढ़कर 70 हो जाएंगी। महिलाओं के लिए कोटा समान रूप से लागू होगा, जिसका अर्थ है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के अंतर्गत एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही...धर्मपरिवर्तन के साथ ही खत्म हो जाएगा अनुसूचित जाति का दर्जा, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि हिंदू धर्म, सिख धर्म या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म में धर्मांतरण करने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा पाने और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत संरक्षण का दावा करने के योग्य नहीं हो सकता। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल हिंदू धर्म, सिख धर्म या बौद्ध धर्म का पालन करने वाले व्यक्तियों को ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त करने का अधिकार है। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और एनवी अंजारी की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा है जिसमें कहा गया है कि ईसाई धर्म अपनाने और सक्रिय रूप से उसका पालन करने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति समुदाय का सदस्य नहीं माना जा सकता। यह फैसला पादरी चिंथदा आनंद द्वारा दायर अपील पर आया, जिन्होंने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मई 2025 के फैसले को चुनौती दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें कुछ व्यक्तियों द्वारा जाति आधारित भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा था।

अपने फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कोई भी व्यक्ति जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करता है, अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं हो सकता। किसी अन्य धर्म में धर्मांतरण से अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाता है। अपने गांव में रविवार की प्रार्थना कराने वाले पादरी आनंद ने आरोप लगाया कि अक्काला रामिरेड्डी और अन्य लोगों ने बार-बार उन पर हमला किया, उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और जातिगत आधार पर उनका अपमान किया। आनंद ने उनके खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया। आरोपियों ने तर्क दिया कि आनंद ने ईसाई धर्म अपना लिया था और वे सक्रिय रूप से पादरी के रूप में काम कर रहे थे, इसलिए वे अनुसूचित जातियों को मिलने वाले विशेष संरक्षण के हकदार नहीं थे। जांच पूरी होने और उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल होने के बाद, आनंद ने आरोपों को रद्द करने के लिए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का रुख किया। लाइव लॉ के अनुसार, न्यायमूर्ति एन हरिनाथ ने एफआईआर को रद्द करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता ने ईसाई धर्म अपनाने के बाद अपनी अनुसूचित जाति की स्थिति खो दी थी और इसलिए वह अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत संरक्षण का दावा नहीं कर सकता।

महिला आरक्षण कानून : संसद में आ सकते हैं दो नए विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार संसद के मौजूदा बजट सत्र में महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लागू करने के लिए दो नए विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार की योजना है कि लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही इस कानून को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस बीच, कई विपक्षी दलों ने सरकार को पत्र लिखकर मांग की है कि महिला आरक्षण कानून के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। विपक्ष का कहना है कि यह बैठक मौजूदा विधानसभा चुनावों के संपन्न होने के बाद आयोजित की जाए। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए एनडीए और गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के सदन के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की।

राजधानी में हाई अलर्ट! दहल उठी दिल्ली विधानसभा, स्पीकर और सीएम को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के बजट पेश होने से कुछ ही घंटे पहले दिल्ली विधानसभा और उसके स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से राजधानी में सनसनी फैल गई। ईमेल के जरिए भेजी गई इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां और दिल्ली पुलिस तुरंत हरकत में आ गई और पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी गई। इन ईमेल में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई थी कि विधानसभा भवन को बम से उड़ा दिया जाएगा। यह घटना मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा विधानसभा में बजट भाषण दिए जाने के निर्धारित समय से ठीक पहले हुई।

विधानसभा मेट्रो स्टेशन को भी निशाना बनाया गया

यह धमकी सिर्फ़ विधानसभा परिसर तक ही सीमित नहीं थी। खबरों के मुताबिक, ईमेल में यह भी ज़िक्र था कि विधानसभा मेट्रो स्टेशन पर भी बम धमाका किया जाएगा। इसके बाद सुरक्षा टीमों ने मेट्रो परिसर के आस-पास गश्त बढ़ा दी और एहतियाती जांच शुरू कर दी। यहां यह बताना ज़रूरी है कि बम से उड़ाने की धमकी वाला यह ईमेल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के तय बजट भाषण से कुछ घंटे पहले मिला था; समाचार एजेंसी PTI ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। बम की धमकी मिलते ही सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे, जांच-पड़ताल शुरू की और छानबीन में जुट गए। पुलिस के एक सूत्र ने PTI को बताया, 'हमने परिसर के अंदर और आस-पास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।'

ईमेल में कई बड़े नेताओं के नाम शामिल

धमकी भरे इस ईमेल में कई बड़े नेताओं के नामों का भी ज़िक्र था। इस मैसेज में LG तरनजीत संधू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, साथ ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के नाम शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि वे इस धमकी में इन नेताओं के नाम शामिल करने के पीछे के मकसद की जांच कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है, और साथ ही परिसर में किसी भी तरह की तोड़फोड़ की आशंका को खत्म करने के लिए गहन जांच-पड़ताल भी की जा रही है।

राहुल गांधी पर गिरिराज सिंह का 'अबोध बालक' वाला तंज, बोले- देश की एकमात्र समस्या

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 24 मार्च को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला करते हुए उन्हें अबोध बालक बताया और उन पर कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी एक अबोध बालक हैं। वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं। मैंने जिक्र किया था कि कोविड काल में भी उनकी गतिविधियां देश में भ्रम फैलाने और लोगों को भड़काने से जुड़ी थीं। आज भारत के नेतृत्व और जनता को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि हमने कोविड-19 के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी है। इस देश में अभी तक ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। मैंने देखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं।

अब राहुल गांधी की आवाज कहां है? वे दूसरी जगहों पर इस बारे में शोर मचाते रहते हैं; वे यह क्यों नहीं पूछते कि वहां कीमतें क्यों बढ़ाई गईं? भले ही देश के प्रधानमंत्री ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, जबकि अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने बढ़ा दी हैं, प्रबंधन का मतलब ही यही है। इसीलिए मैं कह सकता हूं कि भारत को किसी भी चीज से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि भारत की जनता में अपार आत्मविश्वास है। भारत का नेतृत्व इतना सक्षम है कि हम किसी भी आपदा को अवसर में बदल सकते हैं और चुनौतियों का डटकर सामना कर सकते हैं। इस देश की एकमात्र समस्या विपक्ष का नेता (एलओपी) है। गिरिराज सिंह की यह टिप्पणी विपक्षी नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा भाषण की आलोचना के बाद आई है, जिसमें गांधी ने मोदी पर अमेरिका का नाम न लेने का आरोप लगाया था और कहा था कि वह तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 100% नियंत्रण में हैं। वडोदरा में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि मैंने सुना है कि प्रधानमंत्री ने 25 मिनट का भाषण दिया।

जेडीयू में नीतीश का एकछत्र राज, फिर निर्विरोध चुने गए Party President, कोई दावेदार तक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पार्टी ने घोषणा की है कि नीतीश कुमार जेडीयू के अध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित हो गए हैं। चुनाव का औपचारिक प्रमाण पत्र आज दोपहर 2:30 बजे रिटर्निंग ऑफिसर अनील प्रसाद हेगड़े (पूर्व राज्यसभा अध्यक्ष) द्वारा जारी किया जाएगा। नामांकन वापस लेने की अवधि समाप्त होने के बाद वह पुनः निर्वाचित हुए है। नामांकन वापस लेने की अवधि में केवल नीतीश कुमार ही मैदान में बचे थे, जिससे वे इस पद के एकमात्र उम्मीदवार बन गए थे।

इस समारोह में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे, जिनमें पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा संसदीय दल के नेता संजय कुमार झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, बिहार के मंत्री श्रवण कुमार और अन्य प्रमुख पार्टी पदाधिकारी शामिल हैं। उनकी उपस्थिति इस अवसर के महत्व और पार्टी नेतृत्व में एकता को दर्शाती है। इस औपचारिक घोषणा के साथ नीतीश कुमार के लिए चुनावी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, जिससे जेडीयू के नेतृत्व की उनकी पुष्टि होगी और पार्टी की आगे की रणनीतिक योजना और संगठनात्मक गतिविधियों के लिए मंच तैयार होगा। इस कार्यक्रम में नीतीश कुमार के लिए पार्टी के एकजुट समर्थन और जेडीयू के राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनकी निरंतर भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा। उनका पुनः निर्वाचित होना उस नेतृत्व की भूमिका की निरंतरता को दर्शाता है जिसे उन्होंने शरद यादव के उत्तराधिकारी के रूप में 2016 में पहली बार संभाला था।

पश्चिम एशिया पर मोदी के भाषण से विपक्ष नाखुश, संजय राउत बोले- प्रधानमंत्री हताश दिख रहे थे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने 24 मार्च को पश्चिम एशिया संघर्ष के संबंध में लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नियंत्रण खो चुके और निराश प्रतीत हो रहे थे। एएनआई से बात करते हुए राउत ने कहा कि मोदी युद्ध शुरू होने के 25 दिन बाद सदन में आए और उनकी बॉडी लैंग्वेज, हाव-भाव और भाषण को देखकर साफ पता चलता है कि वे अवसादग्रस्त हैं। राउत ने आगे कहा कि मोदी जी ने अपना आपा खो दिया है और ऐसा लगता है कि वे ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहना चाहते। मोदी खुद ही सत्ता छोड़ देंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मोदी के 25 मिनट के भाषण पर की गई टिप्पणी के संदर्भ में राउत ने कहा कि इस गंभीर संकट के समय भाषण में

अपेक्षित स्पष्टता नहीं दी गई। उन्होंने जोर दिया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपने खुद कहा कि कोरोना के दौरान जैसी स्थिति थी, वैसी फिर से लौट सकती है। अगर आप जनता और देश को किसी गंभीर स्थिति के बारे में जानकारी देना चाहते हैं, तो बहस होनी चाहिए। राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया के हालात को संभालने के मोदी के तरीके की आलोचना करते हुए उन पर अपने भाषण में अमेरिका का नाम न लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूरी तरह से नियंत्रण में हैं। वडोदरा में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन में गांधी ने कहा कि मैंने सुना है कि प्रधानमंत्री ने 25 मिनट का भाषण दिया। लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि वे संसद में किसी बहस में हिस्सा नहीं ले सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं। नरेंद्र मोदी ने 25 मिनट तक भाषण दिया लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। नरेंद्र मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं।

सोमवार को लोकसभा में अपने संबोधन में मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष को ₹चिंताजनक₹ बताया और भारत पर इसके संभावित आर्थिक, सुरक्षा और मानवीय प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युद्धग्रस्त क्षेत्र के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों, विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस पर इसकी निर्भरता को रेखांकित किया और संघर्ष के दीर्घकालिक परिणामों के लिए भारत की तैयारी की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत का राजनयिक रुख सभी पक्षों से तनाव कम करने का आग्रह करना रहा है, और उन्होंने नागरिकों, वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण जलमार्गों की नाकाबंदी की निंदा की।

पश्चिम एशिया संकट पर रक्षा मंत्री की हाई-लेवल मीटिंग, तीनों सेना प्रमुखों संग बनी युद्ध की रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को पश्चिम एशिया में चल रही स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सभी सेना प्रमुखों ने भाग लिया। रक्षा मंत्री द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, डीआरडीओ प्रमुख, रक्षा सचिव और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच हुई है, जहां सरकार क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रख रही है। युद्ध फिलहाल चौथे सप्ताह में है।

इसी बीच, अमेरिकी युद्ध उप सचिव एलब्रिज कोल्बी वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करने के लिए भारत में हैं। वहीं, इससे पहले सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की और आम

लोगों की खाद्य, ऊर्जा और ईंधन सुरक्षा समेत महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की उपलब्धता का विस्तृत आकलन किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बैठक की अध्यक्षता की। सीसीएस की बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभावों से निपटने के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण के साथ समर्पित रूप से काम करने के लिए मंत्रियों और सचिवों का एक समूह गठित करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संघर्ष एक बदलती हुई स्थिति है और इससे पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में प्रभावित है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, इस संघर्ष के प्रभाव से नागरिकों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए। मोदी ने निर्देश दिया कि सरकार के सभी अंगों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि नागरिकों को कम से कम असुविधा हो। सीसीएस की बैठक में आवश्यक वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मध्यम और दीर्घकालिक उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

'तुझे नौकरी नहीं करने दूंगा... पति की डांट से आहत पत्नी ने लगाई फांसी, कमरे में पंखे पर लटका मिला शव

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 63 थाना क्षेत्र स्थित छिजारसी कॉलोनी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवती ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतका की पहचान दीपिका कुमारी के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब एक साल पहले बिहार निवासी निशांत कुमार से हुई थी। शादी के बाद दीपिका अपने पति और ससुराल वालों के साथ छिजारसी कॉलोनी में किराए के मकान में रह रही थी। दीपिका पढ़ी-लिखी थी और एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी।

वह शादी के बाद भी अपने करियर को जारी रखना चाहती थी और आत्मनिर्भर बनना उसका सपना था। हालांकि, उसका यह सपना ही उसके वैवाहिक जीवन में तनाव की वजह बन गया।

नौकरी करने के खिलाफ थे

परिजनों के मुताबिक, दीपिका के पति और ससुराल पक्ष के लोग उसके नौकरी करने के खिलाफ थे। इसी मुद्दे को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बताया जा रहा है कि दीपिका के पति निशांत कुमार खुद भी एक निजी कंपनी में कार्यरत है, लेकिन वह अपनी पत्नी को नौकरी करने की अनुमति नहीं देना चाहता था।

परिवार का कहना है कि शादी के कुछ समय बाद से ही इस मुद्दे को लेकर घर में तनाव बढ़ने लगा था। रविवार सुबह भी इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी। सुबह करीब 11 बजे जब घर के अन्य सदस्य काम से बाहर गए हुए थे, उस समय दीपिका घर में अकेली थी। इसी दौरान उसने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच के दौरान पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर पड़ताल कर रही है।

क्या बोले पुलिस अधिकारी?

इस संबंध में एसीपी उमेश यादव ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। वहीं, पति से पूछताछ में एक अलग पहलू सामने आया है। पति का दावा है कि मृतका के किसी अन्य युवक से संबंध थे, जिसका वह विरोध करता था और इसी कारण वह उसे नौकरी करने से भी मना करता था। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच कर रही है।

फिलहाल, पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि यदि परिवार की ओर से कोई शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक बार फिर पारिवारिक विवाद और सामाजिक दबाव के गंभीर परिणामों की ओर इशारा करती है।

स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल 'बेबी भइया' की प्रथम पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले, लोकाधिकार सेवा समिति के संस्थापक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुविख्यात समाजसेवी स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल 'बेबी भइया' की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव रेवारी, बेलहरी (जनपद सुल्तानपुर) में सोमवार, 23 मार्च 2026 को भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन उनके ज्येष्ठ पुत्र एवं लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल 'रिंकू भइया', छोटे पुत्र प्रशांत चंद्रशेखर शुक्ल एवं ब्लॉक प्रमुख जयसिंहपुर राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के संयोजन में हुआ। इस अवसर पर प्रदेश एवं जिले के अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व राज्यपाल के विधिक सलाहकार एस.एस. उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, राजेश गौतम, रमेश चंद्र मिश्रा सहित कई वरिष्ठ नेता, अधिकारी एवं बुद्धिजीवी शामिल रहे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने बेबी भइया के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाजसेवा को अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन गरीबों, असहायों और जरूरतमंदों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। विशेष रूप से उल्लेख किया गया कि उन्होंने अपने निजी संसाधनों से 1280 निर्धन कन्याओं का सर्वजातीय सामूहिक विवाह कराकर समाज में एक मिसाल कायम की। इसके अलावा निःशुल्क कंबल वितरण, चश्मा वितरण, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दिव्यांगों को ट्राई साइकिल प्रदान करना, जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा का खर्च उठाना एवं गंभीर बीमारियों के इलाज में सहयोग जैसे अनेक कार्य उनके सामाजिक समर्पण को दर्शाते हैं।

सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा, जिसमें रामलीला मंचन, कजरी महोत्सव, कवि सम्मेलन तथा बंदी सुधार अभियान के तहत कारागारों में मानस प्रवचन जैसे आयोजन शामिल हैं। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि बेबी भइया जैसा व्यक्तित्व विरले ही होता है। समाजसेवा की जब भी बात होगी, उनका नाम गर्व से लिया जाएगा। इस श्रद्धांजलि सभा में हजारों की संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार, शिक्षाविद, समाजसेवी, ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य एवं क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

घायल पिता को रेफर कर नाबालिग बेटी को थमाई पर्ची, सुरक्षा पर उठे सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद के मेडिकल कॉलेज में इलाज व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कूरेभार थाना क्षेत्र के राघवपुर गांव से आए एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को डॉक्टरों ने उपचार देने के बजाय रेफर कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि बेसुध हालत में स्ट्रेचर पर पड़े घायल पिता की जिम्मेदारी उसकी नाबालिग बेटी के कंधों पर डाल दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार संपत्ति विवाद को लेकर पट्टीदारों ने व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। किसी तरह उसकी बेटी उसे लेकर जिला मेडिकल कॉलेज पहुंची और भर्ती कराया। घायल के हाथ में विगो लगी थी और वह अचेत अवस्था में था। लेकिन अस्पताल प्रशासन ने मानवीय संवेदनाओं को दरकिनार करते हुए इलाज से हाथ खड़े कर दिए और नाबालिग बेटी को ही रेफर लेटर थमा दिया। बच्ची के पास न तो पैसे हैं और न ही मोबाइल फोन, ऐसे में उसे अपने गंभीर रूप से घायल पिता को लेकर लखनऊ जाना पड़ेगा। पूछने पर बच्ची ने अपना नाम मुस्कान बताया और खुद को राघवपुर गांव का निवासी बताया। उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है, जिससे उसकी स्थिति और भी दयनीय हो गई है।

बताया जा रहा है कि हमलावर लगातार घायल की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे बच्ची और उसके पिता की सुरक्षा भी एक बड़ा सवाल बन गई है। वहीं, इस पूरे मामले में जब कूरेभार थाना प्रभारी (एसओ) और क्षेत्राधिकारी (सीओ) से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उनसे बात नहीं हो सकी।

पी.एस.आई.इंडिया ने 100 क्षय रोगियों को प्रदान की पोषण पोटली

देश को क्षय रोग मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी जरूरी : डीटीओ

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व क्षय रोग दिवस पर मंगलवार को क्षय रोगियों के बेहतर पोषण एवं शीघ्र स्वास्थ्य सुधार के लिए एक सराहनीय पहल के अंतर्गत पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी.एस. आई. इंडिया) के सहयोग से जनपद के संयुक्त चिकित्सालय, संजय नगर में क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान की गई।

कार्यक्रम का नेतृत्व जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनिल कुमार यादव ने किया और उन्होंने इस मौके पर करीब 100 क्षय रोगियों को पोषण पोटली उपलब्ध कराये जाने की सराहना करते हुए कहा कहा कि देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी बहुत जरूरी है। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिभागियों ने भी क्षय

रोग उन्मूलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। पी. एस. आई. इंडिया के विवेक द्विवेदी ने कहा कि भारत जैसे महान राष्ट्र के लिए क्षय रोग जैसी बीमारी पर विजय प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के "टीबी मुक्त भारत" के लक्ष्य को साकार करने हेतु उनकी संस्था पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। पी. एस. आई. इंडिया संस्था के जनरल मैनेजर प्रोग्राम नवीन कुमार बंसल ने कहा कि उनकी संस्था क्षय रोग के विरुद्ध चल रहे इस महाअभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है, पोषण सहायता से क्षय रोगियों के स्वास्थ्य में जल्द और अधिक सुधार होने की संभावना बढ़ जाती है।

कार्यक्रम के अंत में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनिल कुमार यादव ने पी. एस. आई. इंडिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर जिला क्षय रोग विभाग की तरफ से डीपीसी राघवेंद्र सिंह चौहान, पीपीएम दीपाली गुप्ता, डीआर टीबी कोआर्डिनेटर निधि त्रिखा एवं पी. एस. आई. इंडिया टीम से राधा शर्मा ,पवन कुमार, उमेश कुमार, शिवम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

फर्म के कागजो की जाँच मे मिली गड़बड़ी तो ईओ ने किया टेंडर निरस्त

सुल्तानपुर। नगर पालिका द्वारा आगामी सत्र 2026-27 के लिए निकाला गया टेंपो टैक्सी ई रिक्शा पार्किंग लोडिंग अन लोडिंग व ठहराव शुल्क का टेंडर टेक्निकल बिड की जाँच के बाद तीन फर्मो के कागजात मे कमिया पाए जाने के बाद अधिशाषी अधिकारी लाल चंद्र सरोज द्वारा सोमवार को निरस्त कर दिया गया । सोमवार को दोपहर बाद टेक्निकल बिड खुलने पर जाँच अधिकारियों ने टेंडर पत्रवालियो की जाँच मे खामिया पाई थी जिम्मेदार अफसरों द्वारा इसे अब नये सिरे से निकाल कर निविदा प्रक्रिया पूर्ण कराये जाने के निर्देश जारी किये गए। नगर पालिका से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आगामी सत्र के लिए टेंपो टैक्सी पार्किंग शुल्क ई रिक्शा लोडिंग अनलोडिंग ठहराव शुल्क का नगर पालिका द्वारा टेंडर निकाला गया था सोमवार को चार फर्म ने टेंडर प्रक्रिया मे भाग लिया। दोपहर बाद नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा टेक्निकल बिड खोली गई टेक्निकल बिड खुलने के बाद फर्म के ठेकेदारों की मौजूदगी में टेक्निकल विड में प्रस्तुत किए गए कागजात की जांच की गई शुक्ला इलेक्ट्रिकल्स एंड कंस्ट्रक्शन द्वारा जताई गई आपत्ति के बाद जांच में नगर पालिका के राजश्व निरीक्षक प्रवीण सिंह कर निरीक्षक अनूप भारती व इंजीनियर हनुमान सिंह ने बारीकी से सभी फर्मो के कागजात की जांच की। जांच में पाया गया कि सैनिक इंटरप्राइजेज फर्म में नगर पालिका की सीमा के अंतर्गत मांगी गई 25 लाख की गारंटी के उलट ग्रामीण क्षेत्र की लगभग 15 लाख की गारंटी लगाई गई है। सैनिक इंटरप्राइजेज फर्म के प्रोपराइटर के निवास के भी 14 साल पुराना होने के कारण संदिग्ध माना गया और इस निवास प्रमाण पत्र के तकनीकी जांच की बात कही गई वहीं दूसरी फर्म यश कंस्ट्रक्शन के खाते से अथर्व ट्रेडर्स व यश कंस्ट्रक्शन में सिक्योरिटी की धनराशि जमा कराई गई जिससे दोनों फर्मो के मिले होने का प्रमाण प्राप्त हुआ। अधिशासी अधिकारी लालचंद सरोज के निर्देशन में जांच के बाद अथर्व ट्रेडर्स को जहां अपात्र पाया गया वहीं सैनिक इंटरप्राइजेज फर्म की हैसियत व निवास में कमियां दिखाते हुए टेक्निकल बिड से बाहर कर दिया गया।यहाँ शुक्ला इलेक्ट्रिक एवं कंस्ट्रक्शन कंपनी के कागजों को पूरी तरह वैध करार दिया गया। अंत मे एक फर्म के पात्र होने के कारण पालिका के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा निविदा प्रक्रिया को निरस्त करते हुए आने वाले समय में पुनः निविदा करा कर टैक्सी स्टैंड का ठेका अनुबंध करने की बात कही गई। यहाँ संदिग्ध फर्मो के अद्वेयता प्रमाण पत्र जारी किये जाने का सिस्टम भी चर्चा मे रहा पालिका के इतिहास में बीते कई वर्षों में टेंपो टैक्सी स्टैंड चलाने वाली कई फर्मों द्वारा पालिका का लाखों रुपया डकारे जाने के उलट शुक्ला इलेक्ट्रिक एवं कंस्ट्रक्शन कंपनी ने बीते सत्र के ठेके को संचालित करते हुए नगर पालिका के समस्त देयको का समय से भुगतान करते हुए दोबारा टैक्सी टेंपो ई-रिक्शा पार्किंग लोडिंग अनलोडिंग एवं ठहराव शुल्क निविदा में भाग लिया था।

नवनिर्मित गौशाला में दम तोड़ रहे गोवंश, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

सुलतानपुर। दुबेपुर ब्लॉक क्षेत्र की अलहदादपुर ग्राम सभा में बनी नवनिर्मित गौशाला में गोवंशों की लगातार मौत का मामला सामने आ रहा है। गौशाला में पहले भी कई गोवंशों की मौत हो चुकी है और मृत पशुओं को बिना पोस्टमार्टम कराए ही दफना दिया गया। सोमवार को भी एक और गोवंश ने दम तोड़ दिया।गौशाला में गोवंशों की देखभाल और सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, जिससे बीमार या कमजोर पशुओं की हालत बिगड़ रही है। वहीं पशु चिकित्सक राजेश वर्मा ने बताया कि गौशाला अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। आसपास से आवारा जानवर और कुत्ते परिसर में घुस जा रहे हैं, जिससे छोटे बछड़ों के घायल होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि जिस गोवंश की मौत हुई है वह एक बछड़ा था। पशु चिकित्सक के अनुसार गौशाला की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य कराया जा रहा है।

हॉर्न बजता रहा, लोग चिल्लाते रहे... कंधे पर हाथ रखकर ट्रैक पर चलते रहे 3 मजदूर, तीनों की ट्रेन से कटकर मौत

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां रेलवे ट्रैक पर चल रहे तीन मजदूरों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा पूर्व मध्य रेलवे के गहमर रेलवे स्टेशन से आगे बारा हाल्ट के पास डाउन लाइन पर रविवार शाम हुआ।

जानकारी के मुताबिक, तीनों मजदूर बिहार के रहने वाले थे और चौसा स्थित एनटीपीसी थर्मल पावर प्लांट में एल एंड टी कंपनी के तहत मजदूरी का काम करते थे। घटना के समय तीनों रेलवे ट्रैक पर एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर चल रहे थे। बताया जा रहा है कि वे सामने से आ रही ट्रेन में बैठे यात्रियों की ओर हाथ हिला रहे थे और पीछे से आ रही ट्रेन के हॉर्न को नजरअंदाज कर रहे थे।

तीनों मजदूर ट्रैक से नहीं हटे

इसी दौरान ट्रेन संख्या 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस डाउन लाइन पर तेज गति से आ रही थी। ट्रेन चालक ने कई बार हॉर्न बजाकर उन्हें चेतावनी देने की कोशिश की, वहीं सामने से आ रही दूसरी ट्रेन के चालक ने भी सतर्क करने का प्रयास किया, लेकिन तीनों मजदूर ट्रैक से नहीं हटे। तेज रफ्तार के कारण ट्रेन को समय रहते रोक पाना संभव नहीं हो सका और तीनों उसकी चपेट में आ गए। हादसा इतना भयावह था कि तीनों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गहमर स्टेशन मास्टर ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की। शुरुआत में शवों की हालत इतनी खराब थी कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन बाद में आधार कार्ड और परिजनों की मदद से तीनों की शिनाख्त कर ली गई।

मृतकों की पहचान जयनाथ सहनी (33), पप्पू कुमार (33) और गुलचंद कुमार (38) के रूप में हुई है। तीनों बिहार के मुजफ्फरपुर और वैशाली जिलों के निवासी थे और पिछले करीब एक साल से चौसा में मजदूरी कर रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे से पहले तीनों भतौरा गांव की एक शराब की दुकान से लौट रहे थे और आशंका जताई जा रही है कि वे नशे की हालत में थे। हालांकि पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

क्या बोले अधिकारी?

क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए गाजीपुर जिला अस्पताल भेज दिया गया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर रेलवे ट्रैक पर लापरवाही से चलने के खतरों को उजागर कर दिया है।

सफेद कोट के पीछे काला चेहरा : मुरादाबाद डेंटल कॉलेज का छात्र कैसे बना आईएसआईएस का मोहरा, 5 दिन की रिमांड में होंगे बड़े खुलासे

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश एटीएस (ATS) को आतंकी संगठन आईएसआईएस (ISIS) के नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। मुरादाबाद के कोठीवाल डेंटल कॉलेज से गिरफ्तार किए गए बीडीएस (BDS) द्वितीय वर्ष के छात्र हारिश अली को एनआईए (NIA) कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। अब एटीएस की टीम हारिश से उसके नेटवर्क, फंडिंग और देश विरोधी साजिशों को लेकर कड़ाई से पूछताछ करेगी।

सहारनपुर का रहने वाला हारिश अली मुरादाबाद के थाना सिविल लाइंस इलाके में स्थित कोठीवाल डेंटल कॉलेज में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा था। लेकिन सफेद कोट के पीछे वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन ISIS की विचारधारा से जुड़ा हुआ

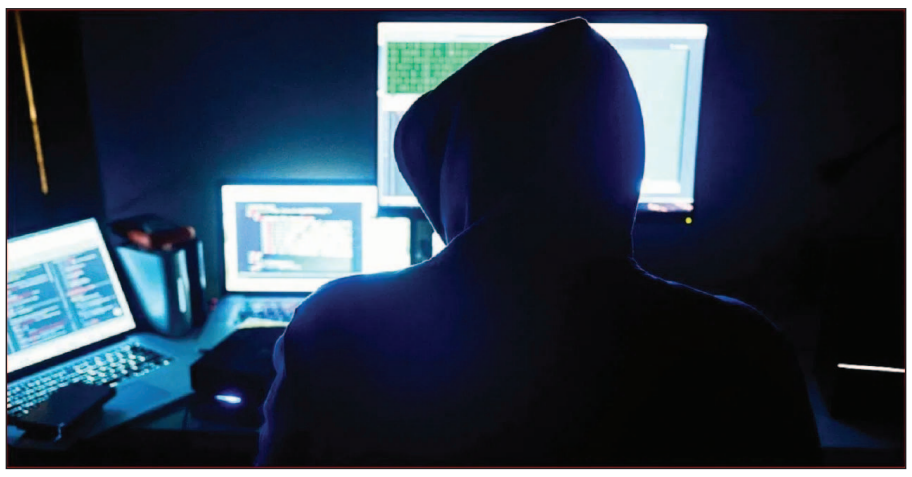

था। 15 मार्च को एटीएस लखनऊ की टीम ने पुख्ता सबूतों के आधार पर कॉलेज परिसर में दबिश दी थी। शुरुआती पूछताछ और दस्तावेजों की पड़ताल के बाद हारिश को गिरफ्तार कर लखनऊ ले जाया गया था।

डिजिटल उपकरणों ने खोले गहरेरा

गिरफ्तारी के बाद एटीएस ने हारिश के ठिकाने से कई संदिग्ध चीजें बरामद की हैं, जिनमें मोबाइल फोन, आईपैड, लैपटॉप और पेन ड्राइव जैसे डिजिटल उपकरण शामिल हैं। फॉरेंसिक जांच में इन उपकरणों से कई संदिग्ध चैट, वीडियो और आपत्तिजनक सामग्री मिली है। सूत्रों का कहना है कि हारिश न केवल कट्टरपंथी सामग्री का प्रसार कर रहा था, बल्कि वह कुछ गोपनीय संपर्कों के जरिए नेटवर्क विस्तार में भी जुटा था। एटीएस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हारिश को फंडिंग कहां से मिल रही थी और उसके निशाने पर कौन-कौन से स्थान थे।

मुरादाबाद और सहारनपुर में होगी तफ्तीश

एनआईए कोर्ट से 5 दिन की रिमांड मिलने के बाद अब एटीएस हारिश को मुरादाबाद और सहारनपुर लेकर जाएगी। सहारनपुर उसका पैतृक आवास है, जबकि मुरादाबाद उसकी गतिविधियों का मुख्य केंद्र था। जांच एजेंसियां उन लोगों की पहचान करने में जुटी हैं जो सीधे या गोपनीय तरीके से हारिश के संपर्क में थे। माना जा रहा है कि रिमांड के दौरान कुछ और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

समरथपुर में फायर स्टेशन का सपना अधूरा, 8 साल से नहीं शुरू हुआ निर्माण

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के समरथपुर में प्रस्तावित अग्निशमन विभाग का फायर स्टेशन पिछले आठ वर्षों से निर्माण के इंतजार में है। भूमि आवंटन के बावजूद अब तक भवन निर्माण शुरू न होने से यह योजना कागजों तक सीमित रह गई है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में गहरी नाराजगी व्याप्त है।

वर्तमान में फायर ब्रिगेड की सेवाएं बलीपुर में एक निजी स्थान से अस्थायी रूप से संचालित की जा रही हैं। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में समय पर राहत पहुंचाना चुनौती बना हुआ है, जिससे जन-धन के नुकसान की आशंका बनी रहती है। ग्राम प्रधान राजेश तिवारी के अनुसार, फायर स्टेशन के लिए भूमि का आवंटन वर्षों पहले हो चुका है, लेकिन संबंधित विभाग की लापरवाही के चलते निर्माण

कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। किसान करुणानन्द मिश्र ने कहा कि फायर स्टेशन का निर्माण न होने से क्षेत्र के लोग हर समय खतरे के साये में जी रहे हैं। आगजनी की घटनाओं में समय पर सहायता न मिलने से किसानों की फसल और संपत्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं भानू पाठक ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि वर्षों से सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं दिख रही। उन्होंने मांग की कि जिम्मेदार अधिकारी तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराएं। इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक ताहिर खान ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि वह जल्द ही इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे और गृह सचिव को पत्र लिखकर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग करेंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द फायर स्टेशन का निर्माण शुरू कराया जाए, ताकि क्षेत्र को समय पर अग्निशमन सुविधा मिल सके और संभावित हादसों से बचाव हो सके।

युवा शक्ति राष्ट्र के उज्जवल भविष्य की महत्वपूर्ण कड़ी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। खेल पुरस्कार एवं नियुक्तिपत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाशक्ति जब आगे बढ़ती है तो वह केवल अनुशासन ही नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा के साथ राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की भी महत्वपूर्ण कड़ी बनती है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार नौ वर्षों के नव निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य की 25 करोड़ की आबादी केवल जनसंख्या नहीं, बल्कि भारत की युवाशक्ति का एक महत्वपूर्ण केंद्रबिंदु है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग 56 प्रतिशत आबादी युवाओं की है, जो उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है और यही कार्यशील वर्ग है। जब यही युवाशक्ति परिश्रम करती है तो प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन की विकास दर को 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत तक पहुंचाने की क्षमता रखता है।उन्होंने कहा कि जब युवाशक्ति को अवसर मिलता है तो वही उत्तर प्रदेश जैसे पूर्व में बीमारू कहे जाने वाले राज्य को भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने, राजस्व अधिशेष राज्य बनाने और देश की प्रगति का प्रमुख आधार बनने का कार्य करती है। इसी प्रकार जब युवाओं को उचित मंच मिलता है तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतकर गौरव बढ़ाते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के गांवों में खेल मैदानों का निर्माण हो रहा है और ये मैदान किसी एक आयु वर्ग के लिए नहीं, बल्कि हर आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी हैं। यहां लोग प्रातः भ्रमण कर सकते हैं, खेलकूद की गतिविधियों में भाग ले सकते हैं और प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। इससे युवाओं में अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का विकास होता है तथा वे देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल हमें गिरना, उठना और पुनः विजय प्राप्त करना सिखाता है। उन्होंने कहा कि जितना अधिक परिश्रम किया जाएगा, सफलता उतनी ही निकट आएगी। जो व्यक्ति गिरने से डर जाता है, वह आगे नहीं बढ़ सकता और जो उठने में लापरवाही करता है, वह लक्ष्य के निकट कभी नहीं पहुंच पाता। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर परिश्रम और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया।

औचक निरीक्षण में उजागर हुई मल्टीलेवल पार्किंग की बदहाली, अवैध कार बाजार व गैराज सील

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम की महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ मंगलवार को हजरतगंज स्थित मल्टीलेवल पार्किंग एवं केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सामने बनी मल्टीलेवल पार्किंग का औचक निरीक्षण किया। महापौर के अचानक पहुंचने से पार्किंग परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई और मौके पर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने आ गई।निरीक्षण के दौरान सबसे पहले महापौर और नगर आयुक्त हजरतगंज स्थित मल्टीलेवल पार्किंग पहुंचे। यहां लिफ्ट बंद पाई गई, जिससे आम लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। इसके अलावा पार्किंग के बेसमेंट में अवैध रूप से कार बाजार और गैराज संचालित होता मिला, जिस पर तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।पार्किंग के सभी फ्लोर पर गंदगी का अंबार देखकर महापौर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव एवं जोनल सेनेटरी ऑफिसर कुलदीपक को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग परिसर में बने टॉयलेट भी बंद पाए गए, जिन्हें तुरंत खुलवाकर आम जनता के उपयोग के लिए शुरू कराने के आदेश दिए गए। महापौर ने स्पष्ट कहा कि नागरिक सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान पार्किंग में चल रहे गैराज और कार बाजार को तत्काल प्रभाव से सील करा दिया गया। महापौर के निर्देश पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। छापेमारी के दौरान मौके से लैपटॉप एवं अन्य उपकरण भी जब्त किए गए, जिससे अवैध गतिविधियों के संचालन के प्रमाण मिले हैं।इसके बाद महापौर और नगर आयुक्त ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सामने स्थित मल्टीलेवल पार्किंग का भी निरीक्षण किया। यहां भी व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं मिलीं। परिसर में गंदगी फैली हुई थी और यहां भी अवैध रूप से कार बाजार तथा गैराज संचालित होता पाया गया। इस पर अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।महापौर ने नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि आरटीओ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पार्किंग में लंबे समय से खड़ी गाड़ियों की जांच कर उन्हें जब्त किया जाए। साथ ही पार्किंग परिसरों में अवैध रूप से गैराज और कार बाजार चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।महापौर ने कहा कि नगर निगम की संपत्तियों का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित सुविधाएं मिल सकें।

चैत्र रामनवमी मेला को लेकर लखनऊ–अयोध्या मार्ग पर भारी वाहनों का डायवर्जन लागू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रान्तीयकृत चैत्र रामनवमी मेला-2026 का आयोजन दिनांक 19 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।उक्त कार्यक्रम के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारू रूप से संचालित किए जाने तथा मेले को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु दिनांक 24 मार्च 2026 को दोपहर 14:00 बजे से दिनांक 27 मार्च 2026 को रात्रि 24:00 बजे तक मालवाहक भारी वाहन, ट्रक, डीसीएम, ट्रैक्टर आदि बड़े वाहनों का लखनऊ-अयोध्या मार्ग पर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इन वाहनों के लिए आवश्यकतानुसार निम्न वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।सीतापुर मार्ग की ओर से आने वाले बसों एवं अन्य बड़े भारी वाहनों का बाराबंकी तथा अयोध्या की ओर जाना प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहन इन्दौराबाग किसानपथ अण्डरपास (सीतापुर मार्ग) से किसान पथ होते हुए सुल्तानपुर मार्ग (चांदसराय) से पूर्वांचल द्रुतमार्ग के माध्यम से अपने गंतव्य को जा सकेंगे।हरदोई मार्ग की ओर से आने वाले बसों एवं अन्य बड़े भारी वाहनों का बाराबंकी तथा अयोध्या की ओर जाना प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहन बाजपुर किसानपथ अण्डरपास (हरदोई मार्ग) से किसान पथ होते हुए सुल्तानपुर मार्ग (चांदसराय) से पूर्वांचल द्रुतमार्ग के माध्यम से अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विंध्याचल धाम में किए दर्शन–पूजन, प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को जनपद मिर्जापुर स्थित पावन धाम विंध्याचल शक्तिपीठ मंदिर में माँ विंध्यवासिनी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शक्ति एवं उन्नति की मंगलकामना करते हुए माँ से आशीर्वाद प्राप्त किया।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विंध्याचल धाम देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है, जहाँ विराजमान माँ विंध्यवासिनी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएँ पूर्ण करती हैं। यह धाम आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्वितीय केंद्र है, जहाँ आकर प्रत्येक व्यक्ति को आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है।उन्होंने कहा कि माँ विंध्यवासिनी आदिशक्ति का स्वरूप हैं, जो अपने भक्तों को संकटों से उबारकर उन्हें शक्ति, साहस और समृद्धि प्रदान करती हैं। प्रदेश की खुशहाली, विकास एवं जनकल्याण के लिए उन्होंने माँ से विशेष प्रार्थना की।विंध्याचल प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री ने माँ काली खोह मंदिर, भैरव नाथ मंदिर तथा माँ अष्टभुजा मंदिर में भी विधिवत दर्शन-पूजन किया। इन सभी शक्तिपीठों का विशेष धार्मिक महत्व है और यह क्षेत्र देवी उपासना की पावन त्रिकोण परिक्रमा का केंद्र माना जाता है। काली खोह में माँ काली का उग्र रूप, अष्टभुजा मंदिर में माँ का दिव्य स्वरूप तथा भैरव नाथ मंदिर में रक्षक देवता के रूप में भगवान भैरव की उपासना की जाती है, जो श्रद्धालुओं को सुरक्षा एवं शक्ति प्रदान करते हैं।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विंध्याचल धाम न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की जीवंत विरासत भी है। यहाँ आने वाले श्रद्धालु माँ के आशीर्वाद से आत्मबल प्राप्त करते हैं और जीवन में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हैं।उन्होंने प्रदेशवासियों के लिए माँ विंध्यवासिनी से प्रार्थना की कि सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उन्नति बनी रहे तथा उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर होता रहे।

○ संक्षेप ○

मिशन शक्ति 5 .0 के तहत विकासनगर पुलिस ने 23 गुमशुदा मोबाइल किए बरामद, महिलाओं को सौंपे फोन

लखनऊ। थाना विकासनगर, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की टीम ने मिशन शक्ति 5 .0 के अंतर्गत सराहनीय कार्य करते हुए 23 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सुपुर्द किया। बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी गई है।पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा नागरिकों के खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) एवं अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी से प्राप्त आदेश एवं निर्देश तथा सहायक पुलिस आयुक्त, गाजीपुर के निकट पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी विकासनगर के निर्देशन में थाना विकासनगर पुलिस टीम ने तत्परता और सजगता के साथ कार्य किया।थाना विकासनगर पुलिस द्वारा CEIR पोर्टल पर प्राप्त मोबाइल गुमशुदगी की शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण करते हुए पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के विभिन्न थाना क्षेत्रों तथा उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जनपदों से कुल 23 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए गए। दिनांक 24 मार्च 2026 को इन सभी मोबाइल फोन को उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिया गया।मिशन शक्ति 5 .0 के अंतर्गत विशेष रूप से मोबाइल धारक महिलाओं को उनके गुमशुदा फोन सुपुर्द किए गए।

हज–2026 के लिए अंतिम किश्त 31 मार्च तक जमा करने के निर्देश

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा जारी परिपत्र संख्या-35 दिनांक 23 मार्च 2026 के माध्यम से हज-2026 के यात्रियों को अंतिम किश्त जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व में हज यात्रियों द्वारा कुल 2,77,300 रुपये की धनराशि जमा की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त शेष धनराशि 31 मार्च 2026 तक हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई के खाते में पूर्व की भांति स्टेट बैंक अथवा यूनियन बैंक के माध्यम से हज कमेटी की वेबसाइट से भुगतान पर्ची प्राप्त कर या डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, एकीकृत भुगतान प्रणाली अथवा नेट बैंकिंग के माध्यम से जमा करनी होगी।उड़ान स्थल के अनुसार कुल व्यय एवं जमा की जाने वाली अवशेष धनराशि इस प्रकार निर्धारित की गई है। दिल्ली से जाने वाले यात्रियों के लिए कुल व्यय 3,46,600 रुपये निर्धारित है, जिसमें पूर्व में जमा 2,77,300 रुपये के अतिरिक्त 69,300 रुपये शेष जमा करने होंगे। लखनऊ से जाने वाले यात्रियों के लिए कुल व्यय 3,52,550 रुपये है, जिसमें 75,250 रुपये अतिरिक्त जमा करने होंगे। मुंबई से जाने वाले यात्रियों के लिए कुल व्यय 3,40,250 रुपये है, जिसमें 62,950 रुपये शेष जमा करने होंगे। अहमदाबाद से जाने वाले यात्रियों के लिए कुल व्यय 3,33,200 रुपये निर्धारित है, जिसमें 55,900 रुपये जमा करने होंगे।

गौशालाओं के तकनीकी सुदृढ़ीकरण हेतु गो सेवा आयोग और जर्मनी की संस्था के बीच समझौता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग, लखनऊ में मंगलवार को आयोग और जर्मनी की एक संस्था के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर गो सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा जर्मनी से आए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों द्वारा आयोग कार्यालय में औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।इस समझौते के अंतर्गत जर्मनी की संस्था द्वारा चयनित गौशालाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिनका चयन उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही गौशालाओं के संचालन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण तथा मानव संसाधन कौशल विकास के क्षेत्र में भी सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे गौशालाओं का संचालन अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाया जा सकेसमझौते के अंतर्गत किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता का प्रावधान नहीं रखा गया है। यह पूरी तरह तकनीकी सहयोग और कौशल उन्नयन पर आधारित पहल है, जिसका उद्देश्य गौशालाओं की कार्यप्रणाली को आधुनिक और सुदृढ़ बनाना है।इस पहल को प्रदेश की गौशालाओं को आत्मनिर्भर, सुव्यवस्थित और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, मोहम्मदपुर मजरा में करोड़ों की सरकारी भूमि अतिक्रमण से मुक्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशन में सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को तहसील बीकेटी क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर मजरा में व्यापक कार्रवाई की गई। यह अभियान अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देश पर संचालित किया गया, जिसमें सहायक नगर आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारी (सम्पत्ति) रामेश्वर प्रसाद द्वारा गठित दल ने सक्रिय भूमिका निभाई।कार्रवाई के दौरान गाटा संख्या-158 (क्षेत्रफल 0.281 हेक्टेयर) तथा गाटा संख्या-184 (क्षेत्रफल 0.238 हेक्टेयर) की नगर निगम की भूमि पर अवैध कब्जे पाए गए। इन भूमियों पर कुछ व्यक्तियों द्वारा चारदीवारी बनाकर भूखंडों का अवैध विभाजन किया जा रहा था और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इससे शासकीय भूमि को क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था।नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माणों को तत्काल हटाने की कार्रवाई प्रारंभ की। खुदाई मशीन की सहायता से चारदीवारी और अन्य अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व नायब तहसीलदार नगर निगम राजेन्द्र कुमार ने किया, जिन्होंने पूरी प्रक्रिया की निगरानी की।अभियान के दौरान नगर निगम के लेखपाल संजू मौर्या, कविता तिवारी, आशुतोष कुमार, आलोक यादव तथा विनोद कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना इंदिरा नगर की पुलिस तथा नगर निगम के प्रवर्तन दल को भी मौके पर तैनात किया गया था, जिससे कार्रवाई सुचारु रूप से संपन्न हो सकी।इस अभियान के तहत लगभग 0.119 हेक्टेयर बहुमूल्य सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। नगर निगम के अनुसार, इस भूमि की वर्तमान बाजार कीमत लगभग 2 करोड़ 40 लाख रुपये आंकी गई है, जो लंबे समय से अतिक्रमण की चपेट में थी।

जेवर में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियों पर हुई बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सोमवार को जेवर (जनपद गौतमबुद्धनगर) में पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन तथा प्रस्तावित विशाल जनसभा की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों, जनसंपर्क अभियान तथा व्यवस्थाओं के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। यह भी तय किया गया कि कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने-अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे।प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में देश ने आधारभूत संरचना, तकनीकी क्रांति, औद्योगिक विकास तथा सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्तर प्रदेश में भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकास की नई धारा प्रवाहित हुई है।उन्होंने कहा कि जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जो न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे उत्तर भारत के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा क्षेत्र वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनेगा।

कुपोषित लोगों को टीबी होने का 10 गुना ज्यादा खतरा: डा. सूर्यकान्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 सूर्यकान्त ने विश्व टीबी दिवस के अवसर पर जानकारी देते हुए बताया कि विश्व टीबी दिवस प्रत्येक वर्ष 24 मार्च को मनाया जाता है इसलिए आज 24 टीबी से पीड़ित रोगियों को गोद लिया गया एवं उनको पोषण पोटली दी गयी, पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु प्रमुख अतिथियों में श्रीमती अर्चना गहरवार, आईएएस (रजिस्ट्रार, केजीएमयू), डा0 बी0 के0 ओझा (सीएमएस, केजीएमयू) एवं डा0 सुरेश कुमार (एमएस, केजीएमयू) उपस्थित रहे।

विश्व टीबी दिवस के अवसर पर 24 मार्च 2026 को अपराह्न 3 बजे से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें टीबी मरीजों को गोद लेना, पोषण पोटली वितरण, जन-जागरूकता कार्यक्रम तथा पोस्ट टीबी डिज़ीज़ क्लीनिक का उद्घाटन शामिल है। विभाग के नर्सिंग ऑफिसर सत्येन्द्र कुमार निःक्षय मित्र बने तथा 24 टीबी रोगियों को गोद लेकर सभी को पोषण पोटली उपलब्ध कराई।

रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा० सूर्यकान्त ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, टीबी रोगियों एवं उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी रोगियों के साथ किसी प्रकार का सामाजिक भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज भी टीबी रोगियों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों, को सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कई मामलों में शादीशुदा महिलाओं को तलाक दे दिया जाता है या उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता है, वहीं टीबी से पीड़ित बच्चों के साथ अन्य बच्चे न तो बैठते हैं और न ही खेलते हैं। यह स्थिति मरीजों के हित में नहीं है, क्योंकि इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि उन्हें इस समय परिवार और समाज के सहयोग व हौसले की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। डा0 सूर्यकान्त ने सभी 24 टीबी रोगियों को अच्छे पोषण की सलाह देते हुए बताया कि कुपोषण से ग्रसित व्यक्यिं, बच्चों और महिलाओं को टीबी होने का खतरा सामान्य लोगों की आपेक्षा 10 गुना अधिक होता है। अतः हम सभी को अपने पोषण और इम्यूनिटी का ख्याल रखना चाहिए। डा0 सूर्यकान्त ने बताया कि इसीलिए आज की पोषण पोटली में चना, दाल, मूंगफली, राजमा, सोयाबीन, गुड़, मखाना आदि पोषक तत्वों वालें खाद्य पदार्थ शामिल किये गये।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम नार्थ जोन टास्ट फोर्स के चेयरमैन डा0 सूर्यकान्त ने बताया कि प्रतिवर्ष 24 मार्च को पूरी दुनिया में विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है, क्योंकि 24 मार्च 1882 को रॉबर्ट कोच नामक जर्मन चिकित्सक ने टीबी के जीवाणु की खोज की थी। इसके लिए उन्हें 1905 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस वर्ष की थीम - "हाँ! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं: देशों के नेतृत्व में और लोगों की शक्ति से" है। इस उद्देश्य के साथ हमें टीबी उन्मूलन को एक जनआंदोलन बनाना होगा।

डा0 सूर्यकान्त, जो पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन केंद्र के संस्थापक प्रभारी हैं, ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान में पोस्ट टीबी डिज़ीज़ के रोगियों के लिए विशेष उपचार व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 24 मार्च 2026 से केजीएमयू में "पोस्ट टीबी डिज़ीज़ क्लीनिक" का शुभारम्भ किया जा रहा है, जो देश में अपनी तरह की पहली सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि ऐसे मरीजों को अब केजीएमयू के पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन केंद्र में निःशुल्क उपचार मिलेगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

इन सभी कार्यक्रमों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी केयर के संस्थापक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष डा0 सूर्यकान्त तथा विभाग के अन्य चिकित्सक, डा0 आर.ए.एस. कुशवाहा, डा0 सन्तोष कुमार, डा0 राजीव गर्ग, डा0 दर्शन कुमार बजाज, डा0 आनन्द श्रीवास्तव, डा0 ज्योति बाजपेयी, डा0 अंकित कुमार के साथ साथ पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन केंद्र की टीम डा0 शिवम, डा0 प्रकृति, पवन तथा समस्त जूनियर डाक्टर्स, नार्सिंग स्टाफ, डाट्स स्वास्थ्यकर्ता तथा समस्त कर्मचारी उपस्थित रहें।

लूलू मॉल के पास चेन लूट की घटना का खुलासा, अभियुक्त गिरफ्तार, लूटी गई चेन बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने चेन लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन बरामद की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 27 फरवरी 2026 को वादिनी रचना अवस्थी पत्नी सुनील कुमार अवस्थी, निवासी बी-4-304 नंदनी एन्कलेव, अवध बिहार योजना, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी, लखनऊ द्वारा लिखित सूचना दी गई थी कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गया है। इस संबंध में थाना सुशान्त गोल्फ सिटी में मुकदमा संख्या 115/2026 धारा 304(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था।विवेचना के दौरान दिनांक 24 मार्च 2026 को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि उक्त घटना से संबंधित एक व्यक्ति, जिसने पहले लूलू मॉल के सामने चेन छीनने की घटना को अंजाम दिया था, झिलझिला मोड़ से नहर की पटरी के रास्ते इस्कान मंदिर की ओर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया।पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम अरूण कश्यप पुत्र कल्लू प्रसाद, निवासी कनौजिया कालोनी, एलआरपी चौराहा के पास, थाना सदर कोतवाली, जनपद लखीमपुर खीरी तथा हाल पता टेड़ी पुलिया, जगरानी अस्पताल के पास, थाना गुडम्बा, लखनऊ, उम्र लगभग 26 वर्ष बताया। तलाशी लेने पर उसके पैंट की दाहिनी जेब से एक पीली धातु की चेन बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर उक्त मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई।पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने दिनांक 27 फरवरी 2026 को लूलू मॉल गेट संख्या-2 के सामने एक महिला के गले से चेन छीनी थी, जिसे वह अपने पास रखे हुए था और आज उसे बेचने के लिए जा रहा था, तभी पुलिस द्वारा उसे पकड़ लिया गया।

साख बिगाड़ने और दबाव बनाने का हिस्सा मात्र

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एनसीईआईआरटी लाइन पर है और सरकार भी। सब सफाई दे रहे हैं और माफी मांग रहे हैं। एनसीईआरटी ने कोर्ट में माफी मांगी और किताबें वापस लेने का भरोसा दिया पर अदालत इतने पर संतुष्ट नहीं है। चीफ जस्टिस ने किताब पर रोक लगा दी है। लेकिन क्या यह सचमुच न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मुद्दा है या इसके पीछे कोई और कहानी है? असल में एनसीईआरटी की आठवीं की किताब में 'करप्शन इन ज्यूडिशियरी का जो अध्याय शामिल किया गया था वह न्यायपालिका में किसी भी स्तर पर मौजूद भ्रष्टाचार के बारे में छात्रों को बताने का उपक्रम था ही नहीं। ऐसा लग रहा है कि वह न्यायपालिका की साख पर सवाल खड़ा करने और लोगों के बीच धारणा को प्रभावित करने का प्रयास था। ध्यान रहे एनसीईआरटी की किताबें ऐसे नहीं तैयार हो जाती हैं कि किसी ने रैंडम कुछ लिख दिया और किताब छप गई। उसकी एक लंबी प्रक्रिया है। हर विषय की दो कमेटियां हैं, जो सामग्री तैयार कराने से लेकर उसके छपने तक की प्रक्रिया पर नजर रखती हैं।

आठवीं कक्षा के समाज विज्ञान की किताब में यह अध्याय है। यह सिर्फ संयोग है कि समाज विज्ञान की किताब तैयार करने वाले कैरिकुलर एरिया ग्रुप के प्रमुख आईआईटी गांधीनगर के गेस्ट प्रोफेसर मिशेल डेनिनो हैं। यह कमेटी सामाजिक विज्ञान की किताबों की सामग्री के चयन, लेखन आदि पर ध्यान रखती है। इसके बाद नेशनल सिलेबस एंड टीचिंग लर्निंग मैटेरियल्स कमेटी होती है। यह एक उच्चस्तरीय कमेटी है, जिसने किताब को अंतिम रूप दिया है। इस कमेटी के अध्यक्ष नेशनल स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के चांसलर एमसी पंत हैं। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मंजुल भार्गव इसके सह अध्यक्ष हैं। इनके अलावा इंफोसिस की सुधा मूर्ति और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीय सान्याल सहित 19 सदस्य हैं। सोचें, अगर इन सब लोगों ने सही में अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया है तो इसका मतलब होगा कि सबकी नजरों से किताब की सामग्री गुजरी और किसी को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं दिखा।

तभी सवाल है कि फिर सरकार ने कोर्ट में इसका बचाव क्यों नहीं किया? अगर इतने लोगों ने मिल कर किताब तैयार करने में भूमिका निभाई है तो या तो सब पर कार्रवाई हो या फिर सरकार कोर्ट में किताब का बचाव करे। एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि प्रोफेसर मिशेल डेनिन की अध्यक्षता वाली कमेटी ने ही इतिहास की किताबों से मुगल साम्राज्य की कहानियों में कटौती की थी और उसे घटा कर बहुत छोटा कर दिया था।

तभी सवाल है कि जो कमेटी देश में चल रहे सामाजिक और राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से किताबों की सामग्री तैयार कर रही है क्या उसने अनायास न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार के मामले में आठवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाने का फैसला कर लिया था? किसी को इस पर यकीन नहीं हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम पर सोशल मीडिया में जो नैरेटिव बना है उसे बारीकी से देखें तो लग रहा है कि जिस मकसद से यह अध्याय किताब में शामिल किया गया था वह मकसद पूरा हो गया। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा शुरू हो गई और सर्वोच्च अदालत द्वारा इस चर्चा को रोके जाने को लेकर भी बहस छिड़ गई है। एक बड़ा समूह है, जो कह रहा है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है और उसकी जांच होनी चाहिए, उस पर चर्चा होनी चाहिए। वही समूह यह भी कह रहा है कि न्यायपालिका अपने मामले में तुरंत मर्माहत हो जाती है और नहीं चाहती है कि उसकी बातें लोगों के सामने आए। सुप्रीम कोर्ट के बड़े वकील और जनहित याचिकाओं के माध्यम से लोगों की आवाज उठाने वाले प्रशांत भूषण ने भी सुप्रीम कोर्ट और कुछ वरिष्ठ वकीलों की टिप्पणियों पर आपत्ति की है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा है कि 2007 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने कहा था कि लोगों की नजर में न्यायपालिका दूसरी सबसे भ्रष्टाचार वाली संस्था है। उन्होंने लिखा है कि अगर इस पर चर्चा को दबाया जाएगा तो लोगों की धारणा और मजबूत होगी। बाद में एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक जेएस राजपूत ने भी सुप्रीम कोर्ट के रवैए पर सवाल उठाया और कहा कि अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा होती है तो उसे रोकना ठीक नहीं है। जाहिर है कि अब किताब भले प्रतिबंधित हो जाए और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय हटा कर बाद में किताब जारी हो लेकिन लोगों के बीच में यह मैसेज चला गया कि सरकार ने किताब तैयार कराई, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय था और उसे न्यायपालिका ने प्रतिबंधित कर दिया। इस तरह न्यायपालिका की साख पर सवाल भी उठ गया और उसके द्वारा अपने मामले को दबा देने की प्रवृत्ति का भी पता चल गया। लोगों के बीच इस घटनाक्रम के बाद न्यायपालिका के प्रति धारणा थोड़ी और बिगड़ेगी।

राम मंदिर से काशी कॉरिडोर तक, यूपी में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

शासन व्यवस्था में सुधार व मजबूत कानून व्यवस्था के कारण आज प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है।

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2017 में विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी भाजपा गठबंधन की सरकार ने नौ वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन नौ वर्षों में सरकार ने कानून व्यवस्था, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा विकास के अनेक प्रतिमान गढ़े हैं। अपनी उपलब्धियों को जन जन तक पहुँचाने के लिए सरकार ने, "नवनिर्माण के नौ वर्ष" नामक पुस्तक का प्रकाशन भी किया है।

वर्ष 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश अराजकता के जाल में फंसा हुआ था। छोटी -छोटी बातों पर फसाद हो जाते थे। कानून और व्यवस्था की बुरी स्थिति के कारण निवेशक यहां आने से डरते थे। मुस्लिम तुष्टिकरण चरम पर था। लोग उल्टा प्रदेश कहकर प्रदेश का उपहास करते थे। 2017 में योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस स्थिति में व्यापक परिवर्तन हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि अब प्रदेश की पहचान का संकट समाप्त हो चुका है, सुरक्षा निवेश व विकास प्रदेश की नई पहचान बन चुके हैं। प्रदेश में सभी पर्व शांति, सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। कहीं कोई तनाव, कर्फ्यू व दंगा नही है। ऐसे माफियाओं का अंत हुआ है जिनके सामने सपा, बसपा व कांग्रेस की पुरानी सरकारें नतमस्तक हो जाया करती थीं।

शासन व्यवस्था में सुधार व मजबूत कानून व्यवस्था के कारण आज प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। लंबे कानूनी संघर्ष के बाद अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है जहाँ लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अयोध्या को अपना एयरपोर्ट, आधुनिकीकृत रेलवे स्टेशन, मेडिकल कालेज मिला, सम्पूर्ण अयोध्या नगरी का नवीनतम और पुरातन संस्कृति के सामंजस्य व समन्वय के साथ व्यापक स्तर पर विकास हो रहा है।

इसी प्रकार काशी का विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण से काशी का स्वरूप भी निखरकर सामने आ रहा है। प्रयागराज में महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाकर इतिहास रच दिया। इसी प्रकार मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर के निर्माण से मां विन्ध्यवासिनी जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को एक विशेष अनुभूति व आध्यात्मिक आनंद की प्राप्ति हो रही है। योगी सरकार आने के बाद प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के साथ साथ अन्य पर्यटन गतिविधियों का विकास होने के कारण इस क्षेत्र में युवाओ के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। प्रदेश की आस्था, संस्कृति व परंपराओं को सम्मान देते हुए उन्हें नई पहचान दिलाने का प्रयास लगातार जारी है। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई अहम प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत 96 लाख एमएमएमई इकाइयां संचालित की जा रही हैं। लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है।

एक जिला-एक उत्पाद योजना, एक जिला एक व्यंजन योजना के साथ ही प्रदेश के हर जिले में कम से कम एक पर्यटन स्थल का विकास किया जा रहा है। विगत नौ वर्षों के कार्यकाल में सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, किसानों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबों के उत्थान के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए हैं। अनेकानेक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दलितों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंच रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सेवा क्षेत्रों में सुधार करते हुए सुशासन की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

प्रदेश में हिंदू समाज के मतांतरण को रोकने के लिए एक कड़ा कानून लाया गया और साथ ही लव जिहाद जैसी घटनाओं को रोकने के लिए भी प्रदेश सरकार कनून लेकर आई। बेटियों की सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया। महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम सरकार द्वारा समय-समय पर उठाए जाते रहे हैं। नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति अभियान प्रदेशभर में चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुमंगला योजना से बेटियां सशक्त हो रही हैं। प्रदेश की पीएसी को जीवन्त करते हुए प्रदेश में पहली बार पीएसी मे महिलाओं के लिए तीन नई बटालियन की शुरुआत की गई। गरीब बेटियों के लिए विवाह के समय दी जाने वाली सरकारी सहायता भी बढ़ा दी गई है। मेधावी बेटियों के लिए स्कूटी योजना आई है।

प्रदेश का विकास परिवर्तनकारी है आज प्रदेश में सात एक्सप्रेस वे संचालित हैं, 15 का विकास कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में 16 एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं और 8 निर्माणाधीन हैं। बहु प्रतीक्षित जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन आगामी 28 मार्च, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी करेंगे। सात प्रमुख शहरों में मेट्रो सेवा चल रही है। नई सड़क परियोजनाएं राज्य के विकास के लिए पहचान बन चुकी हैं। वाराणसी से प्रयागराज और बलिया से अयोध्या तक वाटर-वे की सुविया बढ़ाई जा रही है।

उत्तर प्रदेश तीव्र गति से विकसित प्रदेश बनने की राह पर अग्रसर है। खाद्यान्न, गन्ना, आम एवं दुग्ध उत्पादन सहित अनेक क्षेत्रों में यूपी देश के पहले पायदान पर पहुंच चुका है। प्रदेश के किसानों को पूरी ईमानदारी से, समय पर भुगतान तो हो रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए व्यापक योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसानों तक केंद्र व राज्य सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है।

प्रदेश में भरपूर निवेश लाने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री योगी ने जापान और सिंगापुर का सफल दौरा किया जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी का सफल दौरा किया। प्रदेश के नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल चुकी हैं। युवाओं के लिए सरकार ने कई कदम उठाए तथा ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं जिनके अंतर्गत अब प्रदेश सरकार युवाओं को एआई जैसे नये क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित करने जा रही है। सरकार ने युवाओं के लिए अभ्युदय कोचिंग चलाई जिससे हजारों छात्र सफल होकर नौकरी प्राप्त कर चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व वाली सरकार में हिंदुओं के आस्था केंद्रों का सम्मान हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर क्षण जनसमस्याओं के समाधान के प्रति कार्यरत रहते हैं। उन्होंने जनता दरबार के साथ साथ, जनता से सीधे जुड़े रहने के लिए योगी की पाती लिखनी आरम्भ की है। मुख्यंमत्री ने "नवनिर्माण के नौ वर्ष" पुस्तक विमोचन के अवसर पर सनतान का संदेश दिया और भविष्य की दृष्टि भी स्पष्ट की।

टिप्पणी

भारतीय अर्थ जगत में चिंता

आरंभ में यही आस जोड़ी गई थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग छोटी अवधि वाली होगी। मगर अब इसके लंबा खिंचने की स्थिति बन गई हैं। उससे भारतीय अर्थ जगत में चिंता की लकीरें गहरा गई हैं।

अनेक मुश्किलों का पहले से सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने पश्चिम एशिया में छिड़े ताजा युद्ध से नई गंभीर चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। ईरान के होरमुज जलडमरूमध्य बंद कर देने से युद्ध के पहले दो दिन में ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 10-12 फीसदी तक बढ़ चुकी है। नतीजतन, हर बैरल तेल की खरीद पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने होंगे। यह अच्छी बात है कि भारत के पास फिलहाल लगभग सवा सात सौ बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे वह महंगे आयात को जारी रखने की स्थिति में है।

मगर आयात पर अधिक डॉलर खर्च होने का असर रुपये की कीमत पर पड़ेगा, जो पहले ही प्रति डॉलर 90 रुपये के भाव से ऊपर बना हुआ है। रुपये की कीमत गिरने के साथ आयात और महंगा होता जाएगा। इस बीच रूस से किफायती तेल खरीदना एक विकल्प है, लेकिन उससे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के नाराज होने और अमेरिका से चल रही व्यापार वार्ता में पेचीगियां खड़ी होने की आशंका पैदा होगी। उधर प्राकृतिक गैस की सप्लाई भी इस युद्ध के कारण प्रभावित हो सकती है। एलएनजी की दुनिया में होने वाली लगभग 20 फीसदी सप्लाई का परिवहन मार्ग होरमुज से होकर गुजरता है। एलपीजी की सप्लाई भी मुख्य रूप से खाड़ी देशों से होती है, जो इस समय ईरान के निशाने पर हैं।

इसलिए उनकी आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं वास्तविक हैं। ऐसा हुआ तो उर्वरक उत्पादन भी बुरी तरह प्रभावित होगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों का भाव चढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पश्चिम एशिया के समुद्री मार्ग पर आशंकाओं के बादल गहरा गए हैं, जहां से अमेरिका और यूरोप को होने वाले भारतीय निर्यात का बहुत बड़ा हिस्सा गुजरता है। कुछ खबरों के मुताबिक पहले दो दिन में ही निर्यात के कई ऑर्डर स्थगित कर दिए गए हैं। आरंभ में यही आस जोड़ी गई थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग छोटी अवधि वाली होगी। मगर अब इसके लंबा खिंचने की स्थिति बन गई हैं। नतीजतन, अर्थ जगत में चिंता की लकीरें गहरा गई हैं।

ब्लॉग

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत

अजीत द्विवेदी

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत हो गया है। इसमें कोई हैरानी या दुख की बात नहीं है। हर नेता का युग आता है और समाप्त होता है। बिहार में ही जैसे लालू प्रसाद का युग खत्म हुआ वैसे ही नीतीश का भी खत्म हुआ। फर्क इतना है कि लालू प्रसाद चुनाव हार कर विदा हुए। बिहार की जनता ने उनको हराया और उनके युग का अंत किया तो दूसरी ओर नीतीश कुमार को बिहार की जनता ने भारी बहुमत से जिताया फिर भी उनकी विदाई हुई और दुर्भाग्य यह है कि नीतीश जैसे बड़े नेता की विदाई उनकी अपनी शर्तों पर नहीं हुई। नीतीश कुमार इससे बेहतर विदाई के हकदार थे। उनका जितना बड़ा राजनीतिक कद रहा और उन्होंने जिस किस्म की राजनीति की उसमें ज्यादा सम्मान के साथ और अपनी शर्तों पर उनकी विदाई होनी चाहिए थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा नेतृत्व के दौर में उनका कोई भी सहयोगी नेता सम्मान के साथ विदा होने या अलग होने की नहीं सोच सकता है। बादल परिवार से लेकर चौटाला परिवार और भजनलाल परिवार से लेकर ठाकरे परिवार और नीतीश कुमार तक इसकी मिसाल हैं।

नीतीश की विदाई को लेकर बार बार इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि वे राज्यसभा जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है, जैसे राज्यसभा की सीट से मुख्यमंत्री की कुर्सी का मोलभाव हुआ है। यह कितनी बेहूदा बात है! नीतीश कुमार जब चाहते तब राज्यसभा जा सकते थे। इस बार भी अपने विधायकों के दम पर उनको राज्यसभा की दो सीटें मिलेंगी। इसलिए वे किसी की कृपा से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं। दूसरी बात यह है कि उन्होंने पिछले 25 साल में अनगिनत लोगों को राज्यसभा भेजा है। ऐसे लोगों को, जो कभी सोच भी नहीं सकते थे उनको नीतीश ने उच्च सदन में पहुंचाया। इसलिए मुख्यमंत्री पद से उनकी विदाई को राज्यसभा से जोड़ना मूर्खतापूर्ण काम है। इसी तरह इस तर्क का भी कोई अर्थ नहीं है कि भाजपा विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए उसका मुख्यमंत्री बनना चाहिए। यह बात पिछली विधानसभा में क्यों नहीं कही गई? पिछली विधानसभा में तो नीतीश कुमार के पास 43 और भाजपा के पास 74 विधायक थे।

तीसरी बात उनकी सेहत की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी सेहत खराब है। वे मानसिक रूप से इस स्थिति में नहीं हैं कि राजनीति और शासन जैसे जटिल काम कर सकें। यह उनकी विदाई का आधार तो बनता है लेकिन ऐसी स्थिति में भी विदाई उनकी शर्तों पर होती। यानी सरकार की कमान उनकी पार्टी के हाथों में होती। अगर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ा और जीता गया है तो मुख्यमंत्री तय करने का काम उनको करना चाहिए था। वह काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। इसी से पता चल रहा है कि इस पूरे प्रकरण में नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं है। उन्होंने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जो पोस्ट लिखी है उसमें उनकी दयनीयता और झलक रही है। उन्होंने लिखा है कि वे चारों सदनों का सदस्य रहना चाहते थे इसलिए राज्यसभा जा रहे हैं। सोचें, बिहार में उपेंद्र कुशवाहा और नागमणि जैसे नेता चारों सदनों के सदस्य रहे हैं। क्या यह नीतीश कुमार जैसे नेता के कद के अनुरूप है कि वे ऐसी लचर दलील के साथ विदा हों?

असल में उनकी विदाई की पटकथा 14 नवंबर 2025 को आए नतीजों ने लिख दी थी। बिहार विधानसभा का आंकड़ा ऐसा बना, जिसने नीतीश की स्थिति को कमजोर कर दिया। इसकी शुरुआत सीटों के बंटवारे के समय हो गई थी। पहले जनता दल यू हमेशा बड़े भाई की तरह चुनाव लड़ती थी। विधानसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या ज्यादा होती थी। इस बार जदयू को भाजपा की बराबरी पर लाया गया। उसके बाद तीन सहयोगी पार्टियों को 43 सीटें दी गईं। उसी समय यह स्पष्ट हो गया कि सहयोगियों के साथ भाजपा 143 और जदयू एक सौ सीटों पर लड़ रही है।

चुनाव नतीजों में भाजपा और तीन सहयोगी पार्टियों को मिल कर 117 सीटें आ गईं यानी बहुमत से सिर्फ पांच कम। दूसरी ओर मुख्य विपक्षी पार्टी राजद की सीटें बहुत कम हो गईं। राजद को सिर्फ 25 और समूचे विपक्षी गठबंधन को 35 सीटें मिलीं। उसी समय नीतीश कुमार की विदाई तय हो गई थी, सिर्फ समय का इंतजार हो रहा था। असल में 2020 में नीतीश कुमार सिर्फ 43 सीटें जीत कर जितने मजबूत थे, 2025 में 85 सीटें जीत कर उतने ही कमजोर हो गए। 2020 में राजद 75 सीट वाली पार्टी थी और कांग्रेस व लेफ्ट की 32 सीटें थीं। सो, भाजपा की कभी नीतीश को आंख दिखाने की हिम्मत नहीं हुई। नीतीश ने अपनी मर्जी से भाजपा का साथ छोड़ कर राजद के साथ सरकार बनाई और फिर भाजपा के साथ भी मुख्यमंत्री बन कर लौटे। इस विधानसभा में वैसी स्थिति नहीं है। एक तो भाजपा इतिहास में पहली बार चुनाव जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनी और दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन पूरी तरह से समाप्त हो गया।

इसके बावजूद अगर नीतीश कुमार की मानसिक और शारीरिक स्थिति अच्छी होती तो वे अपने हिसाब से बिहार की राजनीति को संचालित कर सकते थे। क्योंकि उनके पास लोकसभा में 12 सांसद हैं, जिनकी नरेंद्र मोदी सरकार को जरुरत है। लेकिन नीतीश कुमार इसके दम पर भी मोलभाव नहीं कर पाए क्योंकि उनका अपना स्वास्थ्य ठीक नहीं है और उन्होंने इस काम के लिए अपनी पार्टी के जिन लोगों पर भरोसा किया वो उनकी कसौटियों पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की जिम्मेदारी थी कि वे नीतीश कुमार और जनता दल यू के हितों की रक्षा करें। इस काम में दोनों बुरी तरह से विफल हुए हैं।

यह सही है कि नीतीश कुमार की सेहत ठीक नहीं है और वे राजनीति व सरकार की जटिल कार्यप्रणाली को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। लेकिन अगर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता ईमानदार होते तो नीतीश कुमार की विदाई के बाद भी जनता दल यू का ही मुख्यमंत्री बनता। अभी वैसा होता नहीं दिख रहा है। ध्यान रहे जनता दल यू ने पिछला चुनाव '2025 से 30 फिर से नीतीश के नारे पर लड़ा था। इसलिए अगर सेहत के आधार पर नीतीश हटते हैं तो उनकी पसंद से उनकी पार्टी का कोई दूसरा नेता मुख्यमंत्री बनता तो इसे स्वाभाविक माना जाता। तभी सत्ता का हस्तांतरण स्वाभाविक नहीं है। इसलिए भाजपा को बहुत सोच समझ कर आगे बढ़ना होगा। उसे राजनीतिक और सामाजिक दोनों संतुलन बनाने पर ध्यान देना होगा।

बहरहाल, आने वाले दिनों में लंबे समय तक नीतीश कुमार के राजनीतिक योगदान की चर्चा होगी और बिहार के विकास या बदलाव में बतौर मुख्यमंत्री उनकी जो भूमिका रही उसकी भी चर्चा होगी। परंतु साथ ही यह बात भी इतिहास में दर्ज होगी कि इतने बड़े नेता के साथ अंत में कैसा बरताव हुआ। इतिहास इस बात को भी याद रखेगा कि जीवन भर परिवारवाद, वंशवाद और भ्रष्टाचार से दूर रहे एक नेता को उसकी सहयोगी पार्टी ने कैसे विदा किया। अब बिहार की राजनीति बुनियादी रूप से बदलेगी। विचारधारा के स्तर पर भी टकराव बढ़ेगा और सामाजिक स्तर भी संघर्ष की स्थितियां बनेंगी। यह सबक भी याद रखा जाएगा कि सहयोगी व सलाहकार कैसे चुना जाना चाहिए। ध्यान रहे बिहार का इतिहास विश्वासघात और भक्ति दोनों का नहीं रहा है। बिहार का इतिहास प्रतिरोध का रहा है।

गैस सिलिंडर फटने से ध्वस्त हुआ मकान, मलबे में दबने से भाई-बहन की मौत, दो घायल

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी जिले के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के लहरतारा निजी बस अड्डे के पास मंगलवार की सुबह मकान में गैस सिलिंडर ब्लास्ट से भाई और बहन की मौत हो गई। ब्लास्ट से गिरे मकान के मलबे में दबकर परिवार के बुजुर्ग समेत चार सदस्य घायल हो गए। मौके पर वरुणा जोन की पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड ने छानबीन की है। सभी घायलों को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार ओम कुमार चौधरी (30) और प्रीति (27) की मौत हो गई। जबकि परिवार के अमन चौधरी (31), बुजुर्ग गिरजा देवी (60) घायल हैं। मलबा हटाने की प्रक्रिया में नगर निगम की टीम जुटी हुई है। फायर ब्रिगेड और फॉरेंसिक टीम, बम निरोधक दस्ता

छानबीन कर रही है।

लहरतारा में मंगलवार की सुबह अचानक धमाके की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। बाहर निकलकर लोगों ने देखा तो एक मकान ध्वस्त हो गया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिलिंडर ब्लास्ट होने से मकान गिर गया। जिसमें चार लोग दब गए। मकान का मलबा हटाने के लिए मौके पर जेसीबी बुलाई गई। वहीं बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वायड की टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की।

आनन-फानन रेस्क्यू कर सभी को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। जहां भाई-बहन की मौत हो गई। वहीं दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में अमन चौधरी (31) और बुजुर्ग महिला गिरजा देवी (60) हैं। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पुलिस व अन्य टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य किया। दो मौत से मौके पर कोहराम मचा है।

गैस सिलिंडर में रिसाव से हुआ ब्लास्ट

घटना की जानकारी मिलने पर एडीसीपी वरुणा नीतू कात्यायन, एडीएम आलोक वर्मा व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। एडीसीपी नीतू कात्यायन ने बताया कि घटना की जानकारी पर पहुंचे तो पता चला कि एक महिला गिरजा देवी अपने तीन बच्चों के साथ जर्जर मकान में रहती थीं।

मंगलवार की सुबह खाना बना रही थीं, इसी दौरान गैस सिलिंडर में रिसाव के चलते ब्लास्ट हुआ। जिससे मकान गिर गया और इसमें तीनों बच्चों समेत गिरजा देवी दब गईं। आनन-फानन स्थानीय लोगों की मदद से सभी को निकाला गया और बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। इलाज के दौरान भाई- बहन की मौत हो गई। जबकि दो लोगों की इलाज चल रहा है।

'गुरु जी पास कर दो प्लीज, फेल हुई तो ...', यूपी बोर्ड परीक्षा की कॉपियों में लिखी अजब-गजब अपील

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जारी है। बरेली जिले के मूल्यांकन केंद्रों पर शिक्षकों को विद्यार्थियों की कॉपियों पर अजीबोगरीब अपीलें पढ़ने को मिल रही हैं, जिन्हें पढ़कर वे कभी हैरान हो रहे हैं तो कभी अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे। कॉपियों में सवालों के जवाबों की जगह कुछ विद्यार्थियों ने अपनी पारिवारिक मजबूरियां, धार्मिक आस्था और निजी जीवन के संकट लिखे हैं।

मूल्यांकन के दौरान एक मामला तब सामने आया जब इंटर के एक छात्र ने अपनी कॉपी में गुहार लगाते हुए लिखा, गुरु जी, मुझे पास कर दो प्लीज। छात्र ने अपनी मजबूरी बताते हुए लिखा कि उसके माता-पिता अक्सर बीमार रहते हैं और सुबह-शाम उनकी सेवा करने के साथ-साथ घर के अन्य कामों की जिम्मेदारी भी

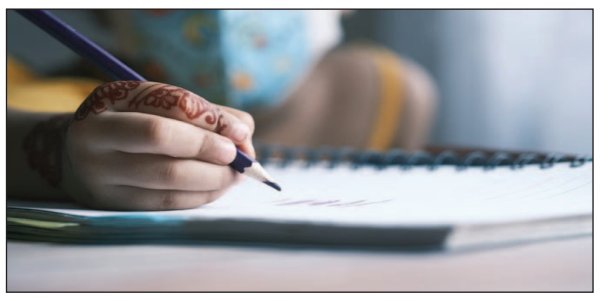

उसी पर है। इसके कारण वह पढ़ाई के लिए समय नहीं निकाल पाया। उसने आगे लिखा कि यदि वह फेल हो गया तो उसके बीमार माता-पिता को गहरा सदमा लगेगा, इसलिए उसे पास करना बहुत जरूरी है।

'फेल हुई तो घरवाले शादी करा देंगे'

सिर्फ छात्र ही नहीं, छात्राएं भी अपनी निजी परेशानियों का जिक्र कर परीक्षकों का दिल पसीजने की कोशिश कर रही हैं। एक छात्रा ने अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखा कि उसके घरवाले उसकी शादी कराने पर अड़े हैं। आगे लिखा कि परिवार ने उसे अल्टीमेटम दिया है कि यदि वह इंटर में फेल हुई, तो उसकी पढ़ाई छुड़वा दी जाएगी और गांव के ही किसी लड़के से उसकी शादी कर दी जाएगी। वहीं कुछ छात्रों ने तो यहां तक लिख दिया कि अगर वे फेल हुए तो किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं बचेंगे। शिक्षकों का कहना है कि हर साल इस तरह की अपीलें देखने को मिलती हैं, लेकिन इस बार छात्रों ने अपनी निजी जिंदगी और शादी टूटने जैसे विषयों को भी उत्तर पुस्तिकाओं में शामिल कर लिया है। हालांकि, इन अपीलों का असर अंकों पर नहीं पड़ता।

शहीदों के मूर्तियों को तोड़ने पर विरोध प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। प्रदेश के शाहजहांपुर में नगर निगम परिसर में स्थापित आजादी आंदोलन के महान क्रांतिकारी व काकोरी ऐक्शन के अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान व रोशन सिंह की प्रतिमाओं को रात के 3 बजे नगर निगम प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया और कूड़ेदान में डाल दिया गया। जो बेहद निन्दनीय व आपराधिक कृत्य है। इस घटना से पूरे प्रदेश भर के आजादी पसंद लोगों में रोष व्याप्त है।मंगलवार को काकोरी ऐक्शन शताब्दी वर्ष आयोजन समिति ने बदलापुर के इंदिरा चैक पर उक्त घटना के खिलाफ प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन शुरू होने के पहले सब्जी मंडी से एक जोरदार जुलूस भी निकाला गया। जुलूस में तमाम छात्र नौजवान व महिलाएं शामिल हुए। सभी ने जोरदार नारे लगाते हुए मांग किया कि- शाहजहांपुर नगर निगम परिसर में

रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान व राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और रोशन सिंह की प्रतिमाओं को पुनः स्थापित किया जाए और उनकी मूर्तियों को तोड़ने वाले दोषियों को उदाहरणमूलक सजा दी जाए ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव प्रमोद कुमार शुक्ल व संचालन जिला उपाध्यक्ष- दिलीप कुमार खरवार ने किया। इन्दुकुमार शुक्ल, मिथिलेश कुमार मौर्य, संतोष कुमार प्रजापति, अंजली सरोज व अपर्णा शुक्ला ने कार्यक्रम को सम्बोधित किए। लालताप्रसाद यादव, मनोज कुमार विश्वकर्मा, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, विजय प्रकाश गुप्ता, लालता प्रसाद मौर्य, शिवभवन सिंह, शैलैन्द्र कुमार, अनुष्का शुक्ला, विनोद मौर्य आदि मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज की लापरवाही

सुल्तानपुर। जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में दर्ज एक मुकदमें से जुड़े 12 फरार आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। सभी आरोपी काफी समय से फरार चल रहे हैं और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहे हैं।

वहीं पुलिस के मुताबिक संबंधित मुकदमें में नामजद सभी आरोपी वांछित हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने प्रत्येक आरोपी पर इनाम घोषित किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही जनपद स्तर पर विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। वहीं पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि आरोपियों के बारे में कोई भी ठोस जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और नियमानुसार इनाम दिया जाएगा।

शाहजहांपुर में बुलडोजर से टूटीं अमर बलिदानियों की प्रतिमाएं, अखिलेश यादव बोले- घोर निंदनीय

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में निर्माण एजेंसी की लापरवाही के कारण नगर निगम कार्यालय परिसर में स्थापित काकोरी केस के अमर बलिदानियों की मूर्तियां खंडित हो गईं। इसकी सूचना से शहर के लोगों में रोष फैल गया। महापौर अर्चना वर्मा ने मौके पर जाकर नगर निगम के अधिकारियों से नाराजगी जताई। उधर, सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इसकी घोर निंदा की।

नगर निगम के पास स्मार्ट रोड का निर्माण हो रहा है। नगर निगम कार्यालय में लगी अमर बलिदानियों की प्रतिमाओं को हटाकर उनकी नई प्रतिमाओं को लगाया जाना है। इस संबंध में नगर निगम ने एक एजेंसी को 40 लाख रुपये की निविदा पर एक ठेका दिया था। नई प्रतिमा को पीछे लगाया जाना था। संबंधित ठेकेदार ने इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों को सूचित किए गए

बगैर रविवार रात बुलडोजर से प्रतिमाओं को हटाने का प्रयास किया। इससे प्रतिमाएं टूट गईं।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव अनीत कुमार त्रिवेदी ने इस मामले में प्रशासन से जांच कराकर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिन वीरों ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनकी प्रतिमाओं के साथ इस प्रकार की लापरवाही जनमानस की भावनाओं को आहत करती है। सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा सामने आने के बाद महापौर अर्चना वर्मा ने मौके पर जाकर अफसरों को तलब किया और नाराजगी जताई। दूसरी ओर इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें प्रतिमाओं को डंपिंग ग्राउंड में पड़ा होना दिखाया गया है।

अखिलेश यादव ने की निंदा

काकोरी केस के शहीदों की प्रतिमाएं तोड़े जाने पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एक्स पर नाराजगी जताई है। उन्होंने वीडियो भी शेयर किया है। उन्होंने लिखा है कि सौंदर्य कभी भी शहीदों के मान सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता है। शाहजहांपुर में सौंदर्यीकरण के बहाने शहीदों की मूर्तियों पर बुलडोजर चलवाना एक मानसिकता की निशानी है। अंग्रेजों की मुखबिरी करने वाले शहादत का मोल क्या जानें।

नाले में डूबे युवक की लाश 20 घण्टे बाद मिली

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र में एक युवक की नाले में डूबने से मौत हो गई। करीब 20 घंटे तक चले खोजबीन अभियान के बाद युवक का शव सेवई नाले से बरामद किया गया। यह घटना कपसियां गांव के पास हुई।ज्ञात हो कि शेरापट्टी गांव निवासी 28 वर्षीय दीपक यादव अपने दोस्तों के साथ नाले के चेकडैम पर नहाने गया था। नहाते समय अचानक पानी का बहाव तेज हो गया, जिससे दीपक अपना संतुलन खो बैठा और गहरे पानी में बह गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से तुरंत रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया, लेकिन देर शाम तक दीपक का कोई सुराग नहीं मिल सका।अगले दिन सुबह करीब 8 बजे दीपक यादव का शव घटनास्थल से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर नाले में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

माहौल बिगाड़ने की कोशिश, भगवानपुर में बाबा साहेब की मूर्ति को असामाजिक तत्वों ने किया खंडित

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के लावड़ क्षेत्र के भगवानपुर गांव में माहौल खराब करने की कोशिश का मामला सामने आया है। यहां अज्ञात लोगों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिया, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

देर रात की घटना, सुबह हुआ हंगामा

घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है, जब अज्ञात लोगों ने मूर्ति को नुकसान पहुंचाते हुए उसका सिर तोड़कर अपने साथ ले गए। मंगलवार सुबह जैसे ही ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली, बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए और आक्रोश जताते हुए हंगामा किया।

पुलिस ने संभाला मोर्चा

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। ब्लॉक प्रमुख के पति ऋषिपाल भंडारी ने बताया कि यह मूर्ति पूर्व विधायक संगीत सोम द्वारा अपने निजी धन से स्थापित कराई गई थी और इसका अनावरण 30 तारीख को होना था।

जांच में जुटी पुलिस

अधिकारियों के अनुसार, घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और दोषियों की तलाश के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं मामले को लेकर गुस्साए ग्रामीण धरने पर बैठ गए। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

दो दिवसीय संगोष्ठी में देश भर से जुटेंगे विशेषज्ञ

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आगामी 28 एवं 29 मार्च को आयोजित होने वाली दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली में उभरते मुद्दे और चुनौतियां की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। मंगलवार को कुलपति सभागार में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की अध्यक्षता में आयोजन समिति के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर कुलपति ने संगोष्ठी के आधिकारिक ब्रोशर का विमोचन किया।कुलपति ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में कॉर्पोरेट जगत और उसकी कार्यप्रणाली तेजी से बदल रही है। ऐसे में यह संगोष्ठी शोधार्थियों को नए तकनीकी और प्रबंधकीय बदलावों से रूबरू कराने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर अविनाश डी. पाथर्डीकर ने बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ अपने शोध पत्र और विचार साझा करेंगे।

बहुचर्चित घनश्याम तिवारी हत्याकांड में दोषियो को उम्र-कैद की सजा

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बहुचर्चित चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में एडीजे प्रथम संध्या चौधरी की अदालत ने आज मंगलवार को दोषियो की सजा पर अपना फैसला सुनाया। जिसमे अदालत ने दोषी अजय नारायण सिंह व दीपक सिंह को उम्रकैद व अर्थदंड की सजा सुनाई है। दोनों दोषियो को अदालत ने सजा काटने के लिए जेल भेजने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दूबे ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था, पीड़ित परिवार के साथ न्याय जरूर होगा। कोर्ट के फैसले का सभी को इंतजार था,जो आ चुका है।

कोतवाली नगर के शास्त्री नगर मोहल्ले की रहने वाली वादिनी निशा तिवारी ने 23 सितंबर 2023 की घटना बताते हुए अपने पति घनश्याम तिवारी की हत्या के आरोप में स्थानीय कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने नारायनपुर गांव निवासी जगदीश नारायण सिंह, विजय नारायण सिंह, अजय नारायन सिंह व धनपतगंज थाने के मायंग निवासी दीपक सिंह के खिलाफ आरोप-पत्र पेश किया था। मामले में दो आरोपियो की दौरान विचारण मृत्यु हो चुकी है, जबकि आरोपी अजय नारायण सिंह व दीपक सिंह के खिलाफ ट्रायल चल रहा था। मामले में अभियोजन पक्ष से शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दूबे व निजी अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने पैरवी किया।

षिक्षकों को बाधाओं से डरने की जरूरत नहीं :बीएसए

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल ने प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर में किचन गार्डन, बैठने के लिए डेस्क बेंच, व डिजिटल कक्षा की व्यवस्था का उद्घाटन किया। विद्यालय को यह सुविधाएं एक्शन एड द्वारा संचालित नई पहल शिक्षा परियोजना के अंतर्गत आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन के सहयोग से प्राप्त हुआ। बीएसए ने कहा कि सिकरारा क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का कांफिडेंट लेबल बहुत ऊँचा है। कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाली गैर सरकारी संस्थाओ का जो भी सहयोग बन सकेगा जरूर किया जाएगा। शिक्षक अपने आत्म विश्वास को बरकरार रखे। उन्हें किसी भी बाधाओं से डरने की जरूरत नहीं है। खंड शिक्षा अधिकारी मडियाहूं उदयभान कुशवाहा व

सिकरारा के अजीत सिंह ने संस्था के प्रयासों की सराहना की तथा कहा कि इससे नामांकन व ठहराव में बृद्धि होगी।प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि संस्था ने अपने धरातलीय प्रयास से परिषदीय विद्यालयों को सुदृढ़ करने का कार्य किया है, आगे अन्य और भी विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं को प्रदान करने की अपील भी की। जिला कोऑर्डिनेटर बीनू सिंह ने एक्शन एड के बारे में बताया। अनुपम श्रीवास्तव, ब्लाक अध्यक्ष मृत्युजंय सिंह, राजीव सिंह लोहिया, विशाल सिंह, रवि मिश्र, सतीश सिंह, अध्यापक यादवेंद्र यादव,सीमा रानी गुप्ता , डॉ दिवाकर यादव, वीरेंद्र कुमार यादव , अश्वनी कुमार आदि मौजूद थे। आभार महाजन अली ने ज्ञापित किया।

2 लाख 19 हजार डुप्लीकेट मतदाओं के नाम कटे

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची से 2 लाख 19 हजार 43 डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। आयोग ने 23 दिसंबर को अनंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद जिला प्रशासन को 19 लाख 28 हजार 560 संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजकर सत्यापन का निर्देश दिया था।

इस सत्यापन प्रक्रिया के लिए 22 मार्च तक का समय निर्धारित किया गया था। विस्तृत जांच पूरी होने के बाद यह कार्रवाई की गई है।सर्वाधिक डुप्लीकेट मतदाता शाहगंज(आरएनएस) इलाके में पाए गए, जिनकी संख्या 17 हजार 290 है। इसके बाद बक्शा ब्लॉक में 14 हजार 814 और मछलीशहर ब्लॉक में 12 हजार 851 डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं।वर्तमान में जिले की 1734 ग्राम पंचायतों में कुल मतदाताओं की संख्या 37 लाख 23 हजार 888 है। इनमें 19 लाख 66 हजार 213 पुरुष और 17 लाख 57 हजार 675 महिला मतदाता शामिल हैं।सत्यापन कार्य के लिए 1959 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) लगाए गए थे। 19 लाख 28 हजार 560 संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची में से जांच के दौरान 17 लाख 95 हजार 16 मतदाता वैध पाए गए। इन वैध मतदाताओं के आधार कार्ड के अंतिम चार अंक दर्ज किए गए हैं। आयोग ने इससे पहले भी 9 लाख 51 हजार 391 संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची सौंपी थी, जिसमें 2 लाख 78 हजार 880 डुप्लीकेट मतदाता मिले थे। इनमें कुछ मृत थे या स्थान बदल चुके थे। इस बार पूरे जिले का आंकड़ा लिया गया है, जिसमें सॉफ्टवेयर ने एक ही नाम वाले मतदाताओं को पकड़ा।

गैस किल्लत के बीच राहत भरी खबर, जिन घरों में शादियां, उन्हें मिलेंगे कॉमर्शियल सिलिंडर

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। साहब, घर में दो बेटियों की शादी है। मेहमान आना शुरू हो गए हैं, लेकिन हलवाई कह रहा है बिना पांच सिलिंडर काम शुरू नहीं होगा... अब आप ही बताएं हम कहां जाएं। ये गुहार सिर्फ एक पिता की नहीं, बल्कि उन तमाम परिवारों की है जिनके घर शहनाई गूंजने वाली हैं।

एलपीजी संकट के बाद से शहर में कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की सप्लाई बंद है। केंद्र सरकार ने 23 मार्च से होटल, ढाबा व अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए 50 प्रतिशत कॉमर्शियल गैस दिए जाने के आदेश दिए थे लेकिन उत्तर प्रदेश में यह आदेश लागू नहीं हो सका है। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि शादी वाले घरों से लेकर होटल, रेस्तरां और हलवाई तक कॉमर्शियल गैस मांग रहे हैं। सभी से उनकी डिमांड पूछी गई है।

मांग के मुताबिक 20 प्रतिशत

गैस मिलेगी। इससे पहले उस प्रतिष्ठान की जांच होगी। पिछले तीन महीने में खर्च का औसत निकाला जाएगा। औसत मांग के आधार पर 20 प्रतिशत गैस मिलेगी। शहर में एक हजार से अधिक होटल, रेस्तरां हैं। 150 से पेठा इकाइयां और 2000 से अधिक हलवाई हैं। डीएसओ आनंद कुमार ने बताया कि प्रतिमाह करीब 40 हजार कॉमर्शियल सिलिंडर की खपत होती थी। नए नियम के मुताबिक करीब आठ हजार सिलिंडर ही उपलब्ध होंगे जिन्हें व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

शादी के लिए भी मांगेंगे अनुमति

जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार जिन घरों में शादियां हैं। उनके लिए कॉमर्शियल सिलिंडर की मांग शासन से की जाएगी। एक परिवार ने बेटियों की शादी के लिए पांच सिलिंडर मांगे हैं। अन्य मांग पत्र भी प्राप्त हुए हैं। तीनों कंपनियों से कॉमर्शियल सिलिंडर की डिमांड भेजी

गर्मी में प्यास बुझाने के लिए सोडा की जगह पिएं ये 5 ताजगी देने वाले पेय

सोडा का सेवन करना भले ही आपको पसंद हो, लेकिन यह सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसमें मौजूद ज्यादा शक्कर और अप्राकृतिक फ्लेवर सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। इसलिए, आज हम आपको कुछ ऐसे पेय की रेसिपी बताएंगे, जो सोडा की तरह ही स्वादिष्ट हैं, लेकिन सेहत के लिए फायदेमंद हैं। इन पेय को बनाने में कुछ ही मिनट लगते हैं और ये आपके दिन को तरोताजा कर सकते हैं।

फलों का रस

फलों का रस न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि पोषण से भरपूर भी होता है। आप संतरा, सेब, अनार या किसी भी मौसमी फल का रस बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए फलों को धोकर काट लें और जूसर में डालकर रस निकाल लें। इसमें कोई भी अप्राकृतिक शक्कर या संरक्षक नहीं होते, जिससे यह पूरी तरह प्राकृतिक होता है। फलों का रस पीने से शरीर को विटामिन और मिनरल मिलते हैं, जो प्रतिरक्षा को मजबूत बनाते हैं।

पानी

नींबू पानी एक सरल और सेहतमंद विकल्प है। इसे बनाने के लिए आपको बस एक नींबू निचोडना है और उसका रस एक गिलास पानी में मिलाना है। आप इसमें थोड़ा-सा शहद या गुड़ डाल सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा। नींबू पानी विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और पाचन को बेहतर रखता है। यह पेय गर्मियों में आपको तरोताजा भी रखता है।

नारियल पानी

नारियल पानी प्राकृतिक तत्वों से भरपूर होता है, जो आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। इसे बनाने के लिए बस ताजे नारियल का पानी निकालकर एक गिलास में भर लें और ठंडा-ठंडा पिएं। इसमें कोई अप्राकृतिक मिलावट नहीं होती, जिससे यह पूरी तरह से प्राकृतिक होता है। नारियल पानी पीने से न सिर्फ प्यास बुझती है, बल्कि यह शरीर को

नींबू

ऊर्जा भी देता है और थकान दूर करता है।

छाछ

छाछ एक पारंपरिक भारतीय पेय है, जो दही से बनता है। इसे बनाने के लिए दही को अच्छी तरह से फेंट लें और उसमें पानी मिलाएं। अब नमक, भुना जीरा पाउडर और हरा धनिया डालकर मिलाएं। यह पेय पाचन को सुधारने में मदद करता है और शरीर को ठंडक देता है। छाछ में लाभकारी जीवाणु होते हैं, जो आंत के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। इसमें कोई अप्राकृतिक फ्लेवर या संरक्षक नहीं होते।

ठंडाई

ठंडाई एक मसालेदार और मीठा पेय है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए बादाम, पिस्ता, खरबूजे के बीज और गुलाब जल आदि सामग्री मिलाकर पीस लें। फिर इसे दूध में मिलाकर ठंडा-ठंडा परोसें। ठंडाई गर्मियों में शरीर को ठंडक देती है और ऊर्जा प्रदान करती है। इन पेय को बनाना आसान है और ये आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। सोडा छोड़कर इन पेय का आनंद लें।

स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है नारियल का तेल?

नारियल का तेल आयुर्वेदिक दवाओं में एक खास स्थान रखता है। यह त्वचा की देखभाल और बालों की देखभाल के लिए बहुत पसंद किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कई गलतफहमियां भी फैली हुई हैं। इस लेख में हम नारियल के तेल से जुड़े कुछ आम भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि ये कितने सही हैं। इसके साथ ही हम जानेंगे कि कैसे आप सही जानकारी के आधार पर इसका उपयोग कर सकते हैं।

भ्रम: नारियल का तेल खाने से बढ़ता है वजन

कई लोगों का मानना है कि नारियल का तेल खाने से वजन बढ़ता है, जबकि यह पूरी तरह सही नहीं है। सच बात यह है कि नारियल का तेल खास तत्वों से भरपूर होता है, जो जल्दी पच जाते हैं और ऊर्जा का स्रोत बनते हैं। अगर आप संतुलित आहार लेते हैं और इसे सीमित मात्रा में इस्तेमाल करते हैं तो इससे वजन नहीं बढ़ता, बल्कि ऊर्जा मिलती है। यह एक किस्म का सेहतमंद तेल माना जाता है।

भ्रम: बालों की बढ़त के लिए नारियल का तेल है जरूरी

यह भी एक आम भ्रम है कि बालों की बढ़त के लिए नारियल का तेल जरूरी होता है। हालांकि, यह सच है कि नारियल का तेल बालों को नमी देता है और उन्हें टूटने से बचाता है, लेकिन बालों की बढ़त मुख्य रूप से खाने-पीने की चीजों और जीवनशैली पर निर्भर करती है। अगर आप सही पोषण लेते हैं और नियमित रूप से सिर की त्वचा की देखभाल करते हैं तो बालों की बढ़त बेहतर हो सकती है।

भ्रम: त्वचा पर लगाने से तुरंत मिलती है चमक

बहुत से लोग मानते हैं कि त्वचा पर नारियल का तेल लगाने से तुरंत चमक मिलती है। हालांकि, यह हमेशा सच नहीं होता। हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है और कुछ लोगों की त्वचा पर यह तुरंत असर नहीं दिखाता। बेहतर होगा कि आप इसे रात भर लगाकर छोड़ दें, ताकि सुबह तक आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बने। नियमित उपयोग से ही इसके फायदे अच्छी तरह दिखते हैं।

भ्रम: गर्भवती महिलाओं के लिए है हानिकारक

कुछ लोग मानते हैं कि गर्भवती महिलाओं के लिए नारियल का तेल हानिकारक हो सकता है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। अगर गर्भवती महिला संतुलित आहार लेती है और डॉक्टर की सलाह पर ही इसका उपयोग करती है तो यह सुरक्षित होता है। इसलिए, किसी भी चीज का उपयोग करने से पहले हमेशा डॉक्टर की सलाह लें। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि नारियल का तेल कई भ्रमों से घिरा हुआ है।

चुपचाप 'ब्रेकअप' करने की तैयारी में है पार्टनर, इन 5 संकेतों पर जरूर दें ध्यान

रिश्ते को तोड़ने के लिए हर कोई ब्रेकअप शब्द नहीं बोलता है, बल्कि वो चुपचाप अपने पार्टनर से अलग होने लगता है। ये सिचुएशन इमोशनली ब्रेकडाउन की तरफ ले जाती है। इस आर्टिकल में जानेंगे 5 ऐसे संकेतों के बारे में जो बताते हैं कि आपका पार्टनर रिश्ते को चुपचाप ब्रेकअप की तरफ लेकर जा रहा है।

ब्रेकअपये शब्द भले ही सिर्फ कुछ अक्षरों से बना हो, लेकिन किसी के लिए भी भावनात्मक रूप से बहुत मुश्किल वक्त होता है। कुछ रिश्ते ऐसे भी होते हैं जो बिना किसी शोर-शराबे के धीरे-धीरे कब टूट जाते हैं पता ही नहीं चलता है। दरअसल इसमें सामने वाला कुछ कहता ही नहीं है, बस ये महसूस किया जा सकता है कि रिश्ते में कुछ तो गड़बड़ हो रही है। चुपचाप होने वाले ब्रेकअप और भी ज्यादा तकलीफ देता है, क्योंकि ये दोनों में से किसी एक पार्टनर को हर दिन तोड़ रहा होता है। कुछ संकेतों पर ध्यान देकर आप पहचान सकते हैं कि पार्टनर चुपचाप ब्रेकअप करने की तैयारी में हैं। इससे आप सीधे इस मुद्दे पर बात कर सकते हैं।

उन्होंने अभी तक आपसे एक भी शब्द न कहा हो लेकिन आप अंदर से हर दिन महसूस कर रहे हैं कि आपके रिश्ते में कुछ ऐसे चेंजेस आ रहे हैं जो नहीं आने चाहिए। तो ये काफी दिल तोड़ देने वाला है। दरअसल पार्टनर भले ही "ब्रेकअप" शब्द न बोल रहा हो, लेकिन उसके व्यवहार में बहुत सारे बदलाव आ जाते हैं। इस सिचुएशन को "साइलेंट ब्रेकअप" कहते हैं।

अचानक कम्यूनिकेशन ड्रॉप करना

रिश्ते में कम्यूनिकेशन सही होना सबसे जरूरी होता है। अगर आपका पार्टनर पहले के मुकाबले अचानक से अब कम बात करने लगा है यानी कम्यूनिकेशन ड्रॉप हो रही है तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है। जैसे क्या वह मैसेज का जवाब देर से देने लगे हैं या फिर फोन पर भी बात करने के दौरान पार्टनर आपको इमोशनल कनेक्शन फील नहीं करवा रही है यानी सिर्फ प्रैक्टिकल टॉक हो रही है। वह खाली टाइम में भी हमेशा फोन काटने की जल्दी में रहते हैं तो ये एक संकेत हो सकता है कि पार्टनर दूरी बना रहा है और रिश्ते को साइलेंट ब्रेकअप की तरफ लेकर जा रहा है।

साथ वाले प्लान को ड्रॉप करना

रिश्ता तभी मजबूत रहता है जब आप उसे वक्त दे रहे हो। जैसे साथ में लॉन्ग ड्राइव या ऐसे ही घूमने निकल जाना, एक छोटी सी डेट, ट्रिप, मूवी के लिए जाना। ये काफी कॉमन चीजें हैं जो अक्सर कपल करते हैं। अगर आपका पार्टनर अब साथ वाले प्लान को ड्रॉप करने लगा है और इसके बाद आपको पता चलता है कि वह असल में वहां जाना चाहते हैं लेकिन उनके सिर्फ मैं वाले प्लान बनने लगे हैं । वह आप अपने फ्यूचर प्लान की बात आपसे नहीं करते हैं तो ये एक बड़ा संकेत है कि वह आपके साथ आगे रिश्ता नहीं देख रहे हैं।

फिजिकल और इमोशनली दूरी बनाना

रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में भावनात्मक के साथ ही फिजिकल नजदीकी भी अहम रोल प्ले करती है। अगर आपका पार्टनर अब आपके साथ दोनों ही तरह से अपना फोकस नहीं दिखा रहा है और दूरी रखने की हर कोशिश होती है तो हो सकता है कि वह आपसे दूर जाने का मन बना चुका हो। जैसे वह साथ होते हुए भी आपकी लाइफ में होने वाली अच्छी और बुरी चीजों पर बात करने में दिलचस्पी न ले रहे हो या फिर हाथ पकड़ना, गले लगना जैसे छोटे-छोटे मोमेंट्स से भी दूरी बना रहे हो।

हॉट एंड कोल्ड विहेबियर

कई बार रिश्ते में बहुत ज्यादा कन्फ्यूजन क्रिएट हो जाती है कि सामने वाला क्या चाहता है। इसकी वजह होती है पार्टनर का "हॉट एंड कोल्ड बिहेवियर"। जैसे कभी बहुत प्यार दिखाना और अचानक से दूरी बना लेना। इस तरह का बिहेव भी साइलेंट ब्रेकअप का साइन हो सकता है।

जरूरी मुद्दों पर बचना

कई बार हमारी गट फीलिंग ही सबकुछ बता देती है, जैसे अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपके पार्टनर जरूरी मुद्दों पर बात करने से बचते हैं। अगर आप कोशिश कर रहे हैं तो भी वो चिड़चिड़ाने लगते हैं तो इसका मतलब है कि आप अपने रिश्ते को एकतरफा खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध ने डुबोए निवेशकों के 34 लाख करोड़ रुपए, एचडीएफसी समेत 5 दिग्गज कंपनियों का निकला दिवाला

मुंबई ,23 मार्च । ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग का खौफनाक असर अब भारतीय शेयर बाजार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। इस वैश्विक तनाव के कारण दलाल स्ट्रीट में कोहराम मचा हुआ है। पिछले एक हफ्ते के भीतर ही भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों के करीब 34 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए हैं। इस भारी उथल-पुथल के बीच देश की टॉप 10 में शामिल 5 दिग्गज कंपनियों को सबसे तगड़ा झटका लगा है, जिससे निवेशकों की करीब 1,02,771.87 करोड़ रुपये की गाढ़ी कमाई पल भर में साफ हो गई है।

॥ष्टस्नष्ट बैंक को लगा सबसे तगड़ा झटका

बाजार में मची इस भारी तबाही का सबसे बड़ा दंश बैंकिंग सेक्टर, खासकर देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी ने झेला है। एक तरफ जहां बाजार में युद्ध की टेंशन थी, वहीं दूसरी तरफ एचडीएफसी बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस दोहरी मार के कारण पिछले हफ्ते बैंक का मार्केट कैप 56,124.48 करोड़ रुपये धड़ाम से नीचे गिर गया। इसके ठीक उलट, सरकारी क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक ने इस गिरते बाजार में भी निवेशकों की झोली भर दी। एसबीआई के मार्केट कैप में 10,707.52 करोड़ रुपये का शानदार इजाफा हुआ है, जो यह दर्शाता है कि संकट के समय में निवेशक प्राइवेट के बजाय सरकारी बैंकों पर ज्यादा भरोसा जता रहे हैं।

इन बड़ी कंपनियों का भी मार्केट कैप हुआ धड़ाम

एचडीएफसी बैंक के अलावा अन्य कई दिग्गज कंपनियों के निवेशकों को भी खून के आंसू रोने पड़े हैं। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर को 18,009.62 करोड़ रुपये की भारी चपत लगी है। इसी तरह बजाज फाइनेंस को 15,338.42 करोड़ रुपये, आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (ज्जष्टस्) को 7,127.63 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक को 6,171.72 करोड़ रुपये का भारी भरकम नुकसान उठाना पड़ा है। इन दिग्गज कंपनियों के आंकड़ों ने बाजार में खौफ का माहौल बना दिया है।

22 महीने की सबसे भयंकर गिरावट के बाद लौटी हल्की हरियाली

अगर पिछले हफ्ते के आंकड़ों पर नजर डालें, तो बाजार के आखिरी कारोबारी दिन निवेशकों को थोड़ी राहत जरूर मिली। आखिरी दिन सेंसेक्स 325.72 अंक चढ़कर और निफ्टी 112.35 अंक की बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। लेकिन इससे ठीक एक दिन पहले बाजार ने पिछले 22 महीनों की सबसे खौफनाक गिरावट का सामना किया था। बड़ी कंपनियों के मार्केट कैप में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की इस सेंधमारी ने स्पष्ट कर दिया है कि मिडिल ईस्ट में जारी इस महायुद्ध का भारतीय बाजार पर आगे भी गहरा और डरावना असर देखने को मिल सकता है।

सैमसंग ने क्विक शेयर और एप्पल के एयरड्रॉप के बीच कंपैटिबिलिटी सपोर्ट शुरू किया

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने सोमवार को कहा कि उसने एंड्रॉइड फाइल-शेयरिंग प्लेटफॉर्म क्विक शेयर और एप्पल के एयरड्रॉप के बीच कंपैटिबिलिटी सपोर्ट शुरू कर दिया है, जिससे गैलेक्सी एस26 स्मार्टफोन उपयोगकर्ता विभिन्न उपकरणों के बीच फोटो का आदान-प्रदान कर सकेंगे।

योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक, दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज कंपनी ने बताया है कि गैलेक्सी एस26 सीरीज के यूजर्स के लिए सोमवार से उपलब्ध इस अपडेट के साथ उपयोगकर्ता आईओएस संचालित आईफोन के साथ फाइलें साझा कर सकेंगे।

क्विक शेयर और एयरड्रॉप दोनों ही ब्लूटूथ तकनीक पर आधारित हैं, जो आस-पास के उपकरणों की पहचान करके फोटो, वीडियो, संपर्क नंबर और फाइलों का आदान-प्रदान करते हैं, लेकिन पहले इनमें परस्पर संचालन की सुविधा नहीं थी।

कंपनी ने एक रिलीज में कहा, एयरड्रॉप सुविधा शुरू में गैलेक्सी एस26 सीरीज पर उपलब्ध होगी और अन्य उपकरणों के लिए इसका विस्तार बाद में किया जाएगा। यह सर्विस बुधवार से अमेरिका और यूरोप सहित अन्य प्रमुख बाजारों में उपलब्ध होगी।

कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, हमने गैलेक्सी उपयोगकर्ताओं को अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले उपकरणों के उपयोगकर्ताओं के साथ निर्बाध रूप से संवाद करने में सक्षम बनाकर उपयोगकर्ता सुविधा को अधिकतम किया है।

इसके अतिरिक्त, सैमसंग ने हुंडई मोटर ग्रुप के साथ मिलकर एक नई कार-टू-होम सेवा शुरू की है, जिससे ड्राइवर सैमसंग के स्मार्टथिंग्स प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी गाड़ियों से ही घरेलू उपकरणों को चालू कर सकेंगे।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने एक रिलीज में बताया कि इस नई सेवा के जरिए ड्राइवर कार में लगी स्क्रीन का उपयोग करके एयर कंडीशनर, एयर प्यूरीफायर और रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर जैसे सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के घरेलू उपकरणों को अपनी गाड़ियों से ही चालू कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए, उपयोगकर्ता होम मोड को सक्रिय करके अपने घर के पास पहुंचते ही एयर कंडीशनर और लाइटें चालू कर सकते हैं।

अवे मोड चालू करने पर, प्लेटफॉर्म रोबोट वैक्यूम क्लीनर चलाते समय उपयोग में न आने वाले घरेलू उपकरणों को बंद कर देता है।

यह सर्विस नवंबर 2022 के बाद निर्मित हुंडई और किआ वाहनों में उपलब्ध है जो कनेक्टेड कार नेविगेशन कॉकपिट इंफोटेनमेंट प्लेटफॉर्म का समर्थन करते हैं। सैमसंग और ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनियां सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से इसे अन्य मॉडलों तक विस्तारित करने की योजना बना रही हैं।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच भारत का रुख अमेरिका की ओर, एलपीजी आपूर्ति में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के चलते वैश्विक आपूर्ति बाधित होने के बीच भारत अब एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति के लिए अमेरिका की ओर तेजी से रुख कर रहा है। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

एस एंड पी ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लिए अमेरिका से एलपीजी की आपूर्ति बढ़कर पारंपरिक खाड़ी देशों से आने वाली मात्रा को पार कर गई है।

रिपोर्ट में बताया गया कि 19 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का कुल साप्ताहिक एलपीजी आयात घटकर 2.65 लाख मीट्रिक टन रह गया, जो 5 मार्च को समाप्त सप्ताह में 3.22 लाख मीट्रिक टन था।

रिपोर्ट के मुताबिक, रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर चिंताओं के बीच भारत अपने एलपीजी आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने की दिशा में तेजी से कदम उठा रहा है, जिसमें अमेरिका से आयात भी शामिल है।

युद्ध से पहले भारत की कुल एलपीजी खपत का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता था। हालांकि, 19 मार्च तक के सप्ताह में मध्य पूर्व से आयात घटकर केवल 89,000 मीट्रिक टन रह गया, जो कुल आयात का 34 प्रतिशत है, यह जनवरी के बाद सबसे कम स्तर है।

वहीं, वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति बढ़कर 1.76 लाख मीट्रिक टन पहुंच गई, जबकि इससे पहले वाले सप्ताह में मध्य पूर्व से ही 100 प्रतिशत आयात हो रहा था।

हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर एलपीजी की कमी को लेकर लंबी कतारों और देरी की खबरें सामने आईं, जिससे लोगों में चिंता बढ़ी। हालांकि, एक स्वतंत्र विश्लेषण के अनुसार भारत की ऊर्जा व्यवस्था अब पहले से ज्यादा मजबूत और लचीली हो चुकी है, जो बाहरी झटकों को संभालने में सक्षम है।

सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तेल विपणन कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्बाध आपूर्ति बनाए रखें। वहीं, होटल और रेस्टोरेंट जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में अस्थायी रूप से आपूर्ति प्रबंधन किया गया।

इसके अलावा, बाजार में घबराहट से बचने के लिए नियामक उपाय भी लागू किए गए।

ऑपरेशन संकल्प के तहत भारतीय नौसेना ने संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की। साथ ही, कूटनीतिक प्रयासों के जरिए एलपीजी टैंकरों को बाधित मार्गों से निकालकर भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचाया गया, जिससे आपूर्ति संबंधी चिंताएं काफी हद तक कम हुई हैं।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है।

यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें।

क्या बोले स्थानीय निवासी?

सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

लोगों से सतर्क रहने की अपील

टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि 'टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी' की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें। वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कोलंबिया विमान हादसे में 66 की मौत, कई अभी भी लापता, राहत और बचाव कार्य जारी

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार को हुए भीषण विमान हादसे में 60 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। कई लोग अभी भी लापता हैं। हादसे का शिकार हुए विमान में 125 लोग सवार थे और टेक ऑफ के तुरंत बाद ही यह विमान क्रैश हो गया था।

कोलंबिया की सेना ने करीब 66 जवानों की मौत की पुष्टि की है। इससे पहले कोलंबिया के प्यूर्तो लेगीजामो शहर के मेयर ने विमान हादसे में 34 जवानों की मौत की बात कही थी। मीडिया रिपोर्ट्स में 20 से ज्यादा जवानों के लापता होने की बात कही गई है। वायुसेना ने बताया कि हरक्यूलिस C-130 विमान में 121 लोग सवार थे, जिनमें 110 सैनिक और 11 क्रू सदस्य शामिल थे। यह विमान सोमवार को टेक-ऑफ के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने कोलंबिया के पुटुमायो स्थित प्यूर्तो लेगुइजामो से उड़ान भरी थी लेकिन कुछ ही देर बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना का शिकार हुआ विमान अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित हरक्यूलिस सी-130 परिवहन विमान था। दुर्घटना के चलते सैन्य परिवहन विमान में ले जाया जा रहा गोला-बारूद और विस्फोटक भी फट गए, जिससे हादसे में भारी नुकसान हुआ और बचाव कार्य भी मुश्किल हो गया। हरक्यूलिस सी-130 विमान 1950 के दशक में बनाए गए थे और कोलंबिया ने 1960 के दशक के अंत में ये विमान खरीदे थे। वर्तमान में कोलंबियाई सैनिकों को लाने-ले जाने में इन विमानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्यूर्तो लेगुइजामो, पुटुमायो में स्थित है। यह अमेजन क्षेत्र का एक प्रांत है जिसकी सीमाएं इक्वाडोर और पेरू से लगती हैं। रक्षा मंत्री पेट्रो सांचेज ने एक्स पर बताया कि सोमवार को जो विमान क्रैश हुआ, वह सैनिकों को पुटुमायो के ही एक दूसरे शहर में ले जा रहा था। कोलंबियाई मीडिया आउटलेट्स द्वारा ऑनलाइन शेयर की गई तस्वीरों में, जहां विमान क्रैश हुआ था, उस खेत से धुएं का काला बादल उठता हुआ दिखाई दिया। इसमें सैनिकों से भरा एक ट्रक तेजी से घटनास्थल की ओर जाता हुआ दिखा। वायुसेना ने एक बयान में कहा कि दुर्घटनास्थल से कम से कम 77 लोगों को घायल अवस्था में बचाया गया। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अधिकारी अभी भी मरने वालों की अंतिम संख्या की जांच कर रहे हैं। कोलंबियाई वायुसेना के कमांडर कार्लोस फर्नांडो सिल्वा ने कहा कि क्रैश के बारे में अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है, सिवाय इसके कि विमान में कोई तकनीकी खराबी आ गई थी और वह हवाई अड्डे से लगभग दो किलोमीटर दूर क्रैश हो गया।' राष्ट्रपति के आलोचकों ने बताया कि पेट्रो प्रशासन के तहत बजट में कटौती के कारण सैन्य विमानों को उड़ान के लिए कम घंटे दिए गए हैं।

पश्चिम एशिया के संघर्ष में सऊदी-यूएई भी कूदेंगे! आईआरजीसी ने कहा- ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस का 78वां दौर शुरू

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध चौथे सप्ताह में पहुंच गया है लेकिन स्थिति कहीं से भी सामान्य होती नहीं दिख रही है। एक तरफ ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों की एक नई और भीषण लहर शुरू की है। वहीं दूसरी तरफ सऊदी अरब और यूएई जैसे देश भी अब इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने की तैयारी करते दिख रहे हैं।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने मंगलवार को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के 78वें चरण की घोषणा की। इसके तहत इस्राइल के डिमोना, तेल अवीव और ईलाट जैसे अत्यधिक संवेदनशील ठिकानों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इन हमलों में इमाद और काद्र (मल्टी-वारहेड) मिसाइल प्रणालियों और हमलावर ड्रोनों का इस्तेमाल किया है। आईआरजीसी का दावा है कि हालिया हमलों में डिमोना और अराद शहर में 200 से अधिक लोग हताहत हुए थे। दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के संकेत दिए हैं। सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने किंग फाहद एयर बेस तक पहुंच प्रदान करने पर सहमति जताई है, जबकि पहले वह अपने एयर बेस के इस्तेमाल से इनकार करता रहा था। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी ने ईरान के सैन्य अताशे और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। वहीं, यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है, जो तेहरान के लिए अहम माने जाते थे। यूएई की हवाई रक्षा प्रणाली भी ईरानी हमलों को रोकने में जुटी है। कुछ वीडियो से यह भी संकेत मिले हैं कि ईरान पर हमलों के लिए बहरीन से मिसाइलें दागी गई थीं।

इस युद्ध की आग में पड़ोसी देशों भी झुलस रहे हैं। मंगलवार तड़के कुवैत में हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा मिसाइलों को रोकने के दौरान गिरे मलबे से सात बिजली ट्रांसमिशन लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है। अधिकारी बिजली सेवा बहाल करने में जुटे हैं। इस तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए दी गई समयसीमा बढ़ा दी है और पांच दिनों के लिए ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमले टाल दिए हैं। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान समझौता करना चाहता है और उनके दूत स्टीव विटकॉफ व जेरेड कुशनर एक ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने फिलहाल किसी भी बातचीत से इनकार किया है।

ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों पर कर रहे हमले, यूएस ने जारी की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े ठिकानों पर व्यापक हमले कर रहे हैं। विभाग ने अपने नागरिकों को तत्काल इराक छोड़ने की सलाह दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक बयान में कहा गया, 'इराक में ईरान समर्थित उग्रवादियों ने अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े लक्ष्यों पर व्यापक हमले किए हैं, जिनमें इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र भी शामिल है। अमेरिकी नागरिक तुरंत इराक छोड़ दें। इराक में अमेरिकी मिशन नागरिकों की सहायता के लिए खुला है।'

बयान में आगे कहा गया कि मौजूदा सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास या एरबिल स्थित वाणिज्य दूतावास जाने की कोशिश न करें, क्योंकि इराकी हवाई क्षेत्र में मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट हमलों का खतरा बना हुआ है। सभी नियमित कांसुलर सेवाएं, जिसमें वीजा सेवाएं भी शामिल हैं, फिलहाल निलंबित हैं। आपात स्थिति में अमेरिकी नागरिकों को संबंधित ईमेल के जरिए संपर्क करने की सलाह दी गई है।

इराक की यात्रा न करने की चेतावनी

अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों की इराक की यात्रा न करने की चेतावनी भी दोहराई है और कहा है कि किसी भी कारण से इराक की यात्रा न करें, और यदि वहां मौजूद हैं तो तुरंत देश छोड़ दें। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों के लिए वैश्विक चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि ईरान समर्थक समूह अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना सकते हैं। चेतावनी में कहा गया, 'दुनियाभर में, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिक अतिरिक्त सतर्कता बरतें। विदेश में रह रहे अमेरिकी नागरिक नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। समय-समय पर हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्रा प्रभावित हो सकती है।'

दाढ़ी वालों को कब कौन मार दे, पता नहीं... महाराष्ट्र विधान भवन में अबू आजमी का बड़ा बयान, सीएम से की यह मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विधायक अबू आजमी अपने बयानों के कारण हमेशा ही चर्चा में बने रहते हैं। कई बार उन्हें अपने बयानों के कारण ही परेशानी का सामना भी करना पड़ा है। अब एक बार फिर उन्होंने विधान भवन में बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद से सियासी पारा हाई हो गया है। उन्होंने दावा किया कि आज के हालात में मुसलमान सुरक्षित नहीं है, उनका चलना भी मुश्किल हो गया है।

अबू आजमी ने विधान भवन में कहा कि आज ऐसा माहौल हो चुका है, जिसमें कौन कब मारकर चला जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता है। अबू आजमी ने कहा, "दाढ़ी, कुर्ता-टोपी पहनकर निकलने वाले को कब कौन मार दे, कुछ कहा नहीं जा सकता है।" उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कई जगहों पर इस तरह की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं, जहां मुस्लिम समुदाय के लोगों को परेशान किया जा रहा है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी का विधान भवन में बयान दिया कि मुस्लिम इस राज्य में असुरक्षित हैं। आज मुसलमानों के लिए सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। दाढ़ी, कुर्ता-टोपी पहनकर निकलने वाले को कब कौन मार दे, कुछ कहा नहीं जा सकता है। सत्ता के लिए नफरत बढ़ाने का नतीजा आज महाराष्ट्र भुगत रहा है।

आगे कहा कि पुणे में इफ्तार कर रहे लोगों पर धारदार हथियारों से हमला, अकोला में सिर्फ देखने पर 17 साल के मासूम मवीश का कत्ल और नांदेड़ में ईद के दिन संदिग्ध मोटरसाइकिल ब्लास्ट — ये सभी घटनाएं बढ़ती नफरत को दिखाती हैं, जो हमारे समाज और देश को तोड़ रही हैं।

सहनशीलता खत्म होती जा रही है और कानून-व्यवस्था बहुत खराब हो चुकी है। मेरी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी से मांग है कि हेट क्राइम के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कदम उठाए जाएं।

अबू आजमी ने धुरंधर मूवी को बताया था साजिश

सपा नेता अबू आजमी ने हाल ही में दावा किया था कि भारत में यूं तो कई दंगे हुए हैं, कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिन्हें लेकर फिल्म बनाई जा सकती है, लेकिन 'धुरंधर 2' सिर्फ एक साजिश है कि कैसे मुसलमानों को बदनाम किया जाए। इस फिल्म के जरिए मुसलमानों को बदनाम किया गया है।

'युद्ध हम पर थोपा गया, ये हमारे अस्तित्व की लड़ाई'

पश्चिम एशिया संकट पर ईरान के महावाणिज्य दूत का बयान

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच मुंबई में ईरान के महावाणिज्य दूत, सईद रजा मोसायेब मोतलाघ का कहना है कि ईरान पर युद्ध थोपा गया है और अब यह लड़ाई उनके देश के लिए अस्तित्व की लड़ाई है। उन्होंने युद्ध के लिए पूरी तरह से अमेरिका और इस्राइल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दुनिया को दिए संदेश में कहा, 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उस पक्ष के साथ बातचीत करके सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए जिसने युद्ध शुरू किया है, और उन्हें आगे ऐसे कदम उठाने से रोकने के लिए मजबूर करना चाहिए। यह मुद्दा सिर्फ ईरान तक ही सीमित नहीं है।'

ईरानी राजनयिक ने कहा, 'अतीत में बार-बार देखा गया है कि उन्होंने जिस भी देश को चाहा, उसे तबाह कर दिया, लेकिन आज, उनका सामना एक ऐसे राष्ट्र से है जो पूरी दृढ़ता के साथ उनके विरोध में खड़ा है। इसलिए हम संयुक्त राष्ट्र के चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, सभी देशों से यह अपील करते हैं कि वे उन्हें जवाबदेह ठहराएं, उन्हें जवाब देने के लिए मजबूर करें, और यह सुनिश्चित करें कि वे भविष्य में किसी भी देश के खिलाफ ऐसे एकतरफा कदम दोबारा न उठाएं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण पैदा होने वाले वैश्विक आर्थिक और ऊर्जा संकट को रोकने के प्रति अपनी कोई जिम्मेदारी मानता है, तो ईरान के महावाणिज्य दूत सईद रजा मोसायेब मोतलाघ ने कहा, 'किसी भी हाल में नहीं। जिन लोगों ने हम पर हमला किया, वे ही इसके लिए जिम्मेदार हैं, और हमने जो भी किया, वह पूरी तरह से अपनी आत्मरक्षा में किया। हमारी चेतावनियों और युद्ध जैसे हालात की पूरी जानकारी होने के बावजूद, उन्होंने फिर भी हम पर हमला करने का ही फैसला किया। उन्हें युद्ध के परिणामों के बारे में सोचना चाहिए था।'

'ये हमारे अस्तित्व की लड़ाई है'

हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की ईरान की धमकी के बारे में, मुंबई में ईरान के महावाणिज्य दूत, सईद रजा मोसायेब मोतलाघ ने कहा, 'जो युद्ध उन्होंने हम पर थोपा है, उसने हमारे अस्तित्व को प्रभावित किया है। यह हमारे लिए अस्तित्व की लड़ाई है, जिसके जवाब में हमें अपनी पूरी क्षमताओं से जवाब देने की जरूरत है। हालांकि, दुनिया भर के लोगों उदाहरण के लिए, भारत के लोगों के लिए, हमने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं किया है। इसे केवल शत्रु देशों और उनके हितों के लिए प्रतिबंधित किया गया है, जिसमें उनसे जुड़ी कंपनियां भी शामिल हैं। युद्ध जैसी स्थिति के कारण, यह एक अत्यंत खतरनाक रूट है।'

'बातचीत के लिए तैयार, लेकिन शर्तें पूरी होनी चाहिए'

संघर्ष के बीच तेल की कीमतों में वैश्विक उछाल को लेकर उन्होंने कहा, 'हम बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन जरूरी शर्तें पूरी होनी चाहिए। वरना, कुछ ही महीनों में, वे हम पर फिर से हमला करेंगे और हमें उन्हीं चुनौतियों का सामना करने पर मजबूर करेंगे।' ईरान पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के असर के बारे में, ईरान के महावाणिज्य दूत ने कहा, 'ईरान दुनिया के तेल उत्पादक देशों में से एक है, और उस पर प्रतिबंध लगाने का असर वैश्विक बाजार पर पड़ता है। साथ ही ये प्रतिबंध ईरान के प्रति लंबे समय से चली आ रही दुश्मनी के एक पैटर्न को दिखाते हैं, जो कई साल पुराना है। आज, यह दुश्मनी इतनी बढ़ गई है कि यह सशस्त्र टकराव और ईरान पर सीधे हमलों तक पहुंच गई है। जाहिर है, इन बुनियादी कारणों का मौजूदा संघर्ष के शुरू होने और आज दुनिया जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, उन पर काफी असर पड़ा है।'

'मैं बहुत रोती थी', श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री?

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी।

मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है।

श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है।

पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम तू मेरी जिंदगी है बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

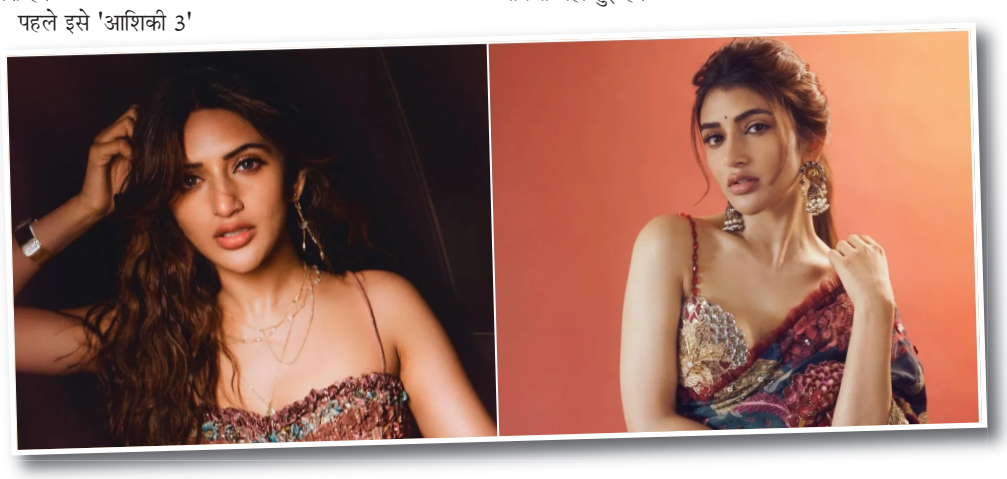

पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर, राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ होगा कैमियो

फिल्म पेड्डी में मृणाल ठाकुर का कैमियो? राम चरण और जाह्नवी कपूर के साथ करेंगी डांस नंबर

राम चरण स्टारर फिल्म पेड्डी 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसको लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा को बुची बाबू सना डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म ने जाह्नवी कपूर भी लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृणाल ठाकुर इस फिल्म में कैमियो करती नजर आ सकती हैं। कहा जा रहा है कि वह एक डांस नंबर में राम चरण और जाह्नवी कपूर के साथ दिखाई देंगी। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक इसको लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

पेड्डी का एक्शन टीजर जल्द ही रिलीज होने वाला है। खबरों के मुताबिक, यह टीजर 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन के मौके पर सामने आ सकता है, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। यह फिल्म गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित एक क्रिकेट टूर्नामेंट की कहानी दिखाएगी।

बुची बाबू सना के ने निर्देशन में बनी इस फिल्म को वेंकट सतीश किलारू और ईशान सक्सेना ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान ने तैयार किया है। हाल ही में इसका गाना राय राय रा रा रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण का डांस फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो राम चरण आखिरी बार फिल्म गेम चेंजर में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने एक ईमानदार आईएएस अधिकारी का किरदार निभाया था। वहीं, आने वाले समय में राम चरण एक और फिल्म में नजर आ सकते हैं, जिसका टेंटेटिव नाम आरसी 17 बताया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार करेंगे।

वहीं मृणाल ठाकुर जल्द ही अदिवी शेष के साथ फिल्म डकैत में नजर आएंगी। शेनिल देव के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक एक्शन फिल्म 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 का कब्जा, सबसे तेज वर्ल्डवाइड 500 करोड़ कमाने वाली टॉप 3 भारतीय फिल्मों की लिस्ट में हुई शामिल

धुरंधर 2 (धुरंधरः द रिवेंज) ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है। शानदार शुरुआत के बाद आदित्य धर की निर्देशित और रणवीर सिंह स्टारर यह फिल्म हॉलीडे का पूरा फायदा उठा रही है। फिल्म बॉक्स पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। इसने 3 दिनों में ही दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और नए रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं।

देश भर के सिनेमाघरों से हाउसफ़ुल शो की खबरें लगातार आ रही हैं। तीसरे दिन ईद के मौके पर धुरंधर-2 ने अपने ही ओपनिंड डे के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया। सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधरः द रिवेंज ने पेड प्रीव्यू से 43 करोड़ रुपये कमाए।

वहीं ओपनिंग डे पर 102।55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। हालांकि, दूसरे फिल्म के कलेक्शन में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई। पहले शुक्रवार को रणवीर सिंह की फिल्म 80।72 करोड़ रुपये का बिजनेस किया।

तीसरे दिन ईद की छुट्टी होने की वजह से आदित्य धर की फिल्म का काफी फायदा मिला है। इस फिल्म ने पहले शनिवार को ओपनिंग डे से भी ज्यादा कमाई। सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर-2 ने रिलीज के तीसरे दिन, 113 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इसी के साथ यह 300 करोड़ का आंकड़ा आसानी से पार कर गई। तीन दिनों के बाद धुरंधर-2 का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर टोटल नेट कलेक्शन 339।27 करोड़ रुपये हो गया है।

धुरंधर 2, पुष्पा 2: द रूल के ओपनिंग वीकेंड के रिकॉर्ड को तोड़कर भारत में अब तक की सबसे बड़ी वीकेंड ओपनर फिल्म बनने की राह पर है। अल्लू अर्जुन की इस फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर भारत में 354 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन के अलावा, फिल्म ने विश्व स्तर पर 501।04 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ दुनियाभर में सबसे तेज 500 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने वाली भारतीय फिल्म की लिस्ट में शामिल हो गई है।

सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर के सीक्वल ने केजीएफ-2, जवान जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए इस लिस्ट के टॉप 3 में शामिल हो गई है। केजीएफ-2 ने 4 दिनों में 546 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि जवान 4 दिनों में 521 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। बाहुबली-2, आरआरआर के बाद धुरंधर 2 तीन दिनों में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने वाली फिल्म बन गई है। इतना ही नहीं, यह 2026 की 500 करोड़ कमाने वाली पहली फिल्म बन गई है।

धुरंधर 2: द रिवेंज में रणवीर सिंह के नेतृत्व में कलाकारों की एक बड़ी टोली है, जिसमें आर। माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, दानिश पंडोर और सारा अर्जुन भी अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं। बॉक्स ऑफिस के इन रुझानों को देखते हुए, यह फिल्म आने वाले दिनों में भी सिनेमा दर्शकों के लिए एक बड़ा आकर्षण बनी रहने की संभावना है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com